लखनऊ

मंगलवार, 19 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 263

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जिस दिन पढ़ाई बोझ नहीं, सपना लगने लगे उस दिन सफलता आपके कदम चूमने लगेगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

नीट पेपर लीक : प्रोफेसर ने आपस में बांट लिए थे सब्जेक्ट, सीबीआई की पूछताछ में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। सीबीआई ने ह्श्वश्वञ्ज पेपर लीक मामले में जांच तेज कर दी है। पुणे के एक प्रतिष्ठित कॉलेज से जुड़ी प्रोफेसर मनीषा मांढरे को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। देशव्यापी परीक्षा में हुई धांधली के मामले में चल रही जांच के तहत, ष्टक्चङ्घ अधिकारियों ने शनिवार को पुणे में मांढरे के आवास पर पूछताछ की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर परीक्षा के पेपर के कुछ खास हिस्सों को लीक करने के लिए विषयों को आपस में बांट लिया था। कथित तौर पर केमिस्ट्री से जुड़े सवालों की जिम्मेदारी प्रह्लाद कुलकर्णी पर थी, जबकि प्रोफेसर मनीषा मांढरे कथित तौर पर बॉयोलाजी के सवालों को संभाल रही थीं। जांचकर्ताओं को संदेह है कि एग्जाम के पेपर से चुने हुए सवाल एजेंटों के एक नेटवर्क के जरिए लीक किए गए थे, जिसमें मनीषा वाघमारे, धनंजय लोखंडे और शुभम खैरनार शामिल थे। इसके बाद पेपर छात्रों के बीच बांटे गए थे। सूत्रों का कहना है कि मनीषा वाघमारे और प्रह्लाद कुलकर्णी एक-दूसरे को लातूर के दिनों से जानते थे। कुलकर्णी और मांढरे भी कथित तौर पर ह्श्वश्वञ्ज परीक्षाओं के लिए पेपर सेट करने में एक-दूसरे से जुड़े थे। जांच के दौरान सामने आया कि मांढरे बाद में पुणे के बिबवेवाड़ी इलाके में गंगा ओशियाना सोसाइटी में रहने लगीं, जहां मनीषा वाघमारे पहले से ही रह रही थीं। मांढरे कथित तौर पर अपने घर पर कोचिंग क्लास चलाती थीं, जबकि वाघमारे कथित तौर पर मांढरे और कुलकर्णी दोनों के साथ संपर्क में रहती थीं। जांच टीम ने खुलासा किया कि मांढरे और कुलकर्णी अपने घरों से कोचिंग क्लास चलाते थे। वाघमारे अक्सर दोनों के घर पर जाती थीं। लीक हुआ पेपर कई एजेंट्स के जरिए आगे बढ़ाया गया था। मनीषा वाघमारे ने वह पेपर धनंजय लोखंडे को सौंपा, जिसने उसे नासिक के शुभम खैरनार को दे दिया।

अकाली नेता पर नाबालिग से छेड़छाड़ और रेप की कोशिश का आरोप, मोहाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। शिरमणी अकाली दल के नेता और लुधियाना के मुल्लापुर दाखा हलका इंचार्ज जसकरनजीत देओल के खिलाफ मोहाली में नाबालिग लड़की से कथित छेड़छाड़ और रेप की कोशिश का मामला दर्ज किया गया है। स्नङ्घक्र दर्ज होने के बाद मोहाली पुलिस ने रविवार को आरोपी नेता को लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया। मामले की शिकायत नाबालिग के पिता ने दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि आरोपी नेता के उनकी पत्नी के साथ अवैध संबंध थे और उसने परिवार की परिस्थितियों का फायदा उठाकर उनकी बेटी के साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। पीड़िता के पिता के अनुसार आरोपी उनकी बेटी को मोहाली के एक होटल में ले गया, जहां उसने जबरदस्ती करने की कोशिश की और उसके निजी अंगों से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर कथित तौर पर नाबालिग के साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने लड़की को धमकाया कि यदि उसने किसी को इस घटना के बारे में बताया तो उसे और उसकी मां को घर से निकाल दिया जाएगा।

'प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो...': सड़क पर नमाज पढ़ने वालों को सीएम योगी की दो टूक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक सड़कों पर नमाज़ अदा करने और यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। लखनऊ में एक निजी कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि सड़कों पर नमाज़ पढ़ना या किसी भी तरह की अराजकता फैलाना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, 'सड़क आम नागरिकों के आवागमन के लिए बनी है। हम किसी भी धार्मिक गतिविधि या नमाज़ की वजह से आम जनता के रास्ते को बाधित नहीं होने दे सकते।'

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़कें चलने के लिए हैं, किसी को भी चौराहे पर आकर आवागमन बाधित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या कोई सड़क रोककर तमाशा बना देगा? मुख्यमंत्री ने सलाह दी कि यदि नमाज पढ़ना जरूरी है, तो उसे शिफ्ट में या घर में पढ़ा जा सकता है। उन्होंने जोर दिया कि सिस्टम के साथ रहने के लिए नियम-कानूनों का पालन करना अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि जब उन्होंने शासन संभाला था, तब उत्तर प्रदेश में हर दूसरे दिन दंगे होते थे। उस समय हर जिले में माफिया की समानांतर सत्ता संचालित होती थी। अब ऐसी अराजकता की छूट किसी को नहीं मिलेगी। उन्होंने मीडिया की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया।

'बेवजह भीड़ नहीं बढ़नी चाहिए'

सीएम योगी ने कहा कि अगर जरूरत हो, तो शिफ्ट में इंतजाम किए जा सकते हैं, लेकिन जनता को होने वाली परेशानी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि यह कैसे होगा, हमारी संख्या तो बहुत ज्यादा है?' हमने जवाब दिया कि इसे शिफ्ट में किया जा सकता है। अगर घर में जगह नहीं है, तो संख्या को उसी हिसाब से मैनेज करें। बेवजह भीड़ नहीं बढ़नी चाहिए।

'कानून सभी पर एक समान लागू होता है'

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कानून का राज सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होता है और सार्वजनिक जगहों का गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सरकार का नियम ही कानून का नियम है। यह सभी पर समान रूप से लागू होता है। नमाज जरूरी है आप इसे अपनी शिफ्ट के दौरान पढ़ सकते हैं। हम इसे रोकेंगे नहीं, लेकिन सड़क पर नहीं।

'एक समय था यूपी में हर दूसरे दिन दंगे होते थे'

सीएम योगी ने कहा कि आज से वर्ष पहले जब हमने शासन की बागडोर संभाली। उस समय हमारे सामने चुनौतियां थीं। मैं यूपी की समस्या को जानता था। मैं जानता था यूपी में हर दूसरे दिन दंगे होते थे। मैं जानता था यहां पर हर जिले में सत्ता का समांतर एक माफिया सत्ता संचालित होती है, उसी के इशारे पर वहां का पूरा सिस्टम कार्य करता है।

'मेरी बेटी को इंसाफ चाहिए' त्विशा के माता-पिता का फूटा दर्द, बोले- उसे मार दिया गया

भोपाल। नोएडा की रहने वाली त्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब और ज्यादा तूल पकड़ता जा रहा है। त्विशा के परिवार ने मामले में गंभीर सवाल उठाते हुए दोबारा पोस्टमार्टम की मांग की है। परिवार का आरोप है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौके से मिले सबूतों में मेल नहीं है। वहीं, परिवार ने पति समर्थ सिंह और उनकी मां की गिरफ्तारी की भी मांग की है। रविवार को त्विशा के परिजन भोपाल स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। त्विशा के पिता नवनीधि शर्मा ने कहा कि मामला बेहद संदिग्ध है और ऐसे में शव का अंतिम संस्कार कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से मिले सबूतों में कई विरोधाभास हैं।

वीडी सतीशन ने ली सीएम पद की शपथ, राहुल, प्रियंका और खरगे समेत कांग्रेस के तमाम बड़े नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के नए मुख्यमंत्री के रुप में वीडी सतीशन ने पद की शपथ ली। तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

वीडी सतीशन के शपथ ग्रहण के साथ ही केरल में सीपीआई(एम) के दिग्गज नेता पिनाराई विजयन के एक दशक लंबे शासन का औपचारिक रूप से अंत हो गया। दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नेतृत्व में कांग्रेस के आखिरी बार सत्ता में आने के 15 साल बाद कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता में लौट आया है। कांग्रेस नेताओं ने इस शपथ ग्रहण को केरल में एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत के रूप में वर्णित किया हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस अवसर पर कहा कि ये केरल की ऐतिहासिक जीत है और हम सभी को इसकी बहुत खुशी है। उन्होंने कहा कि केरल के लोगों के लिए बहुत खास दिन है क्योंकि 10 साल के बाद यूडीएफ सत्ता में आ रही है। एलडीएफ का 10 साल का शासन जनता ने अस्वीकार कर दिया है। अब ये हमारी जिम्मेदारी है कि केरल के लोगों को अच्छी सरकार दें। बता दें कि हाल ही में संपन्न चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने जबरदस्त वापसी करते हुए 140 सदस्यों वाली विधानसभा में 102 सीटें जीतीं, जबकि अकेले कांग्रेस ने रिकॉर्ड 63 सीटें हासिल कीं, जो राज्य में उसका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

अब न्यायमूर्ति मनोज जैन सुनेंगे अरविंद केजरीवाल का मामला, सीबीआई की याचिका पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल से जुड़े मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। अब इस मामले की सुनवाई दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मनोज जैन करेंगे। यह बदलाव केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा केजरीवाल और अन्य आरोपियों को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देने के बाद हुआ है। इससे पहले, इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा कर रही थीं। अलग-अलग घटनाओं के संबंध में केजरीवाल और कई अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के बाद उन्होंने खुद को इस मामले से अलग कर लिया। उनके अलग होने के बाद, मामले को पुनः सौंपा गया और मंगलवार (19 मई) को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया।

'जमानत नियम है और जेल अपवाद'

दिल्ली दंगा मामले में उमर को बेल नहीं मिलने पर SC की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शीर्ष अदालत की एक अन्य डिवीजन बेंच द्वारा दिए गए उस फैसले पर गंभीर आपत्ति जताई, जिसमें दिल्ली दंगों के मामले में उमर खालिद को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने ये टिप्पणियां सैयद इफ्तिखार अंद्राबी की जमानत याचिका मंजूर करते हुए कीं।

अंद्राबी कथित नार्को-आतंकवाद के एक मामले में UAPA के तहत 5 साल से ज्यादा समय से हिरासत में हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, 'जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद, यह सिद्धांत UAPA जैसे विशेष कानूनों के तहत भी लागू होता है।' शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि एक डिवीजन बेंच बड़ी बेंचों के फैसलों से बंधी होती है, और नजीब मामले में तीन जजों की बेंच ने एक फैसला दिया था।

किसी को अनिश्चित काल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकताः SC

जिसमें यह कहा गया था कि किसी आरोपी को अनिश्चित काल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता, अब एक डिवीजन बेंच उस फैसले के कारण बाध्यकारी है। जस्टिस भुइयां ने कहा, 'नजीब फैसले की व्यापक व्याख्या से यह पता चलता है कि केवल समय बीतने से कोई आरोपी अपने आप ही रिहाई का हकदार हो जाता है।' अदालत ने आगे कहा कि स्वतंत्रता का अधिकार केवल एक वैधानिक नारा नहीं, बल्कि एक संवैधानिक प्रावधान है। जिसका हर हाल में पालन किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने अपने जनवरी के उस फैसले पर भी आपत्ति जताई, जिसके तहत उमर खालिद और शरजील इमाम को एक साल तक जमानत मांगने से रोक दिया गया था।

23 वर्षीय तुषार कुमार ने रचा इतिहास, ब्रिटेन में सबसे युवा भारतीय मूल के मेयर बने; मिली बोरेहामवुड की कमान

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के 23 वर्षीय तुषार कुमार ने ब्रिटेन में इतिहास रच दिया है। उन्हें आधिकारिक तौर पर एल्सट्री और बोरेहामवुड का मेयर नियुक्त किया गया है। वह ब्रिटेन के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय मूल के व्यक्ति बन गए हैं। 13 मई को बोरेहामवुड के फेयरवे हॉल में आयोजित एक समारोह में उनकी नियुक्ति की पुष्टि हुई। तुषार कुमार ने लंदन के किंग्स कॉलेज से राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। मेयर की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह डिप्टी मेयर के रूप में काम कर रहे थे। वह लंबे समय से बोरेहामवुड में स्थानीय नागरिक और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। इस बड़ी उपलब्धि पर तुषार कुमार ने खुशी जाहिर की है।

बच्चा पैदा होने पर इस राज्य की सरकार देंगी 40,000 रुपये

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा तीसरे और चौथे बच्चे के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की घोषणा राज्य में लगातार घटती प्रजनन दर (टीएफआर) को लेकर बढ़ती चिंता के बीच की गई है।

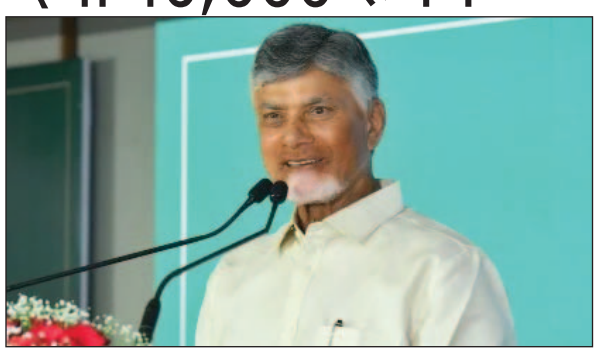

श्रीकाकुलम जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार तीसरे बच्चे के लिए 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के लिए 40,000 रुपये देगी। संयुक्त आंध्र प्रदेश में 1995 से 2004 तक मुख्यमंत्री रहने के दौरान जनसंख्या नियंत्रण के प्रबल समर्थक रहे चंद्रबाबू नायडू अब मानते हैं कि जनसंख्या बोझ नहीं, बल्कि एक संपत्ति है। अधिकारियों के अनुसार, दूसरे बच्चे से आगे दिए जाने वाले प्रोत्साहन फ्रांस और हंगरी जैसे देशों के मॉडल से प्रेरित हैं, जहां भविष्य में जनसांख्यिकीय संकट से बचने के लिए ऐसी नीतियां अपनाई गई हैं।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश भारत की तुलना में तेजी से वृद्धावस्था की ओर बढ़ रहा है। राज्य की औसत आयु 32.5 वर्ष है, जबकि राष्ट्रीय औसत 28.4 वर्ष है। अधिकारियों का कहना है कि आंध्र प्रदेश के पास 2040 तक ही जनसांख्यिकीय लाभ की स्थिति बनी रहेगी, इसके बाद बुजुर्ग आबादी का अनुपात तेजी से बढ़ सकता है। आंध्र प्रदेश की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 1993 में 3.0 थी, जो अब घटकर 1.5 रह गई है।

मुजफ्फरपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस समेत 3 ट्रेनों पर पथराव, खिड़कियों के शीशे टूटे

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस पर कथित तौर पर पत्थर फेंके गए, जिससे कई डिब्बों के शीशे टूट गए और यात्रियों में दहशत फैल गई। पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस (26501) को मझौलिया और खबरा इलाकों के पास निशाना बनाया गया। खबरों के मुताबिक, वंदे भारत ट्रेन के तीन डिब्बों के शीशे इस घटना में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। हमले के बाद यात्रियों ने तुरंत रेलवे अधिकारियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सूचना दी। वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी की घटना के कुछ ही समय बाद, उसी रेल मार्ग पर चलने वाली दो और ट्रेनों पर हमला हुआ। पटना-जयनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस (15550) और लिच्छवी एक्सप्रेस (14006) को भी निशाना बनाया गया। बताया जा रहा है कि हमलों में दोनों ट्रेनों के कई डिब्बों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

सिरफिरे आशिक की दरिंदगी : शादी से इनकार करने पर सो रहे परिवार पर फेंका तेजाब, पति-पत्नी और दो बच्चे झुलसे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां के शेरगढ़ इलाके में एक सिरफिरे आशिक ने एकतरफा प्यार में अंधी दरिंदगी दिखाते हुए पूरे परिवार को तेजाब से नहलाने की कोशिश की। इस भयानक हमले में एक महिला, उसका पति और उनके दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह रूह कंपा देने वाली घटना शनिवार तड़के करीब 6 बजे की है। भीषण गर्मी की वजह से पीड़ित परिवार अपने घर के बरामदे में मच्छरदानी लगाकर सो रहा था। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान आरोपी दबे पांव छत के रास्ते घर में घुसा और उसने मच्छरदानी के ऊपर से ही परिवार पर कोई खतरनाक ज्वलनशील पदार्थ (तेजाब) फेंक दिया। तरल पदार्थ के छींटे पड़ते ही परिवार के चारों सदस्य बुरी तरह झुलस गए और उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग इक_ा हो गए। मीरगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि जांच में आरोपी की पहचान उमेश कश्यप के रूप में हुई है। पूछताछ में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि आरोपी उमेश पहले से ही शादीशुदा है, लेकिन इसके बावजूद वह लक्ष्मी देवी (पीड़िता) से शादी करना चाहता था। जब लक्ष्मी ने इस बेतुकी मांग को ठुकरा दिया, तो बदले की आग में जल रहे उमेश ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने घायलों को शेरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बरेली के जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

भीषण गर्मी का कहर, 45 डिग्री के पार पहुंचेगा पारा, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को अगले दो दिनों तक भीषण गर्मी और हीट वेव का सामना करना पड़ेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 19 और 20 मई को तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है।

मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को दोपहर के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी 7 दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार 18 मई को अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने का अनुमान है। इस दिन दिनभर तेज सतही हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। हालांकि 18 मई के लिए किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। आईएमडी के अनुसार 19 मई को गर्मी और अधिक बढ़ेगी। अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि दोपहर और शाम के समय तेज गर्म हवाएं लोगों को परेशान करेंगी। इसके अलावा 20 मई को भी राहत मिलने की संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के मुताबिक, इस दिन अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिन और शाम दोनों समय हीट वेव की स्थिति बनी रहने की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वानुमान के अनुसार, 21 और 22 मई को तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। इन दिनों अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हालांकि, दिन के समय तेज सतही हवाएं चलती रहेंगी। भीषण गर्मी और लू को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। डॉक्टरों के अनुसार शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए अधिक मात्रा में पानी, ओआरएस और तरल पदार्थों का सेवन करना जरूरी है।

राहुल गांधी की जिन्ना से तुलना पर सियासी बवाल, कांग्रेस बोली- भाजपा ध्यान भटका रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से करने की कड़ी आलोचना की और इस टिप्पणी को राजनीतिक अदूरदर्शिता और इतिहास की अज्ञानता का प्रदर्शन बताया। कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी की तुलना जिन्ना से करने वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि जिन्ना ने देश को विभाजन की त्रासदी में धकेल दिया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत था।

पार्टी ने कहा कि इस देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता के लिए रक्त, पसीना और प्राणों का बलिदान देने की विरासत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की है। हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश के लिए जेल जाकर अपनी जान कुर्बान की है। और आगे कहा कि उसी कांग्रेस के नेताओं की तुलना जिन्ना से करके भाजपा नेताओं ने अपनी राजनीतिक दिवालियापन को उजागर कर दिया है। कांग्रेस ने जोशी की अपनी ही पार्टी के इतिहास की समझ पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या जोशी अविभाजित बंगाल में जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी और मुस्लिम लीग द्वारा चलाई गई गठबंधन सरकार को भूल गए हैं? क्या उन्हें एल.के. आडवाणी का वह बयान याद नहीं है जिसमें उन्होंने जिन्ना को 'धर्मनिरपेक्ष नेता' बताया था? इतिहास गवाह है कि भाजपा के कई नेताओं ने जिन्ना के प्रति नरम रुख अपनाया है।

कांग्रेस ने भाजपा पर इतिहास का चुनिंदा इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के लिए सच्चाई असहनीय है। जो नेता कांग्रेस पर हमला करने के लिए देशभक्ति के प्रमाण पत्र बांटते हैं, उन्हें पहले अपनी विचारधारा की जड़ों का इतिहास पढ़ना चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की परेशानी और आर्थिक अस्थिरता जैसी चुनौतियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए अप्रासंगिक और भड़काऊ मुद्दे उठा रही है।

अगवा कर छात्रा का कत्ल, चेहरा और हाथ जलाया, सामूहिक दुष्कर्म की आशंका; युवती के 'दोस्त' ने कबूल किया ये सच

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। घर से 15 मई को परीक्षा देने गई टीपीनगर इलाके की अनुसूचित जाति की छात्रा की अगवा कर गला दबाकर हत्या कर दी गई। तीन दिन बाद रविवार दोपहर में छात्रा का शव रोहटा थाना इलाके के उकसिया गांव में ईंख के खेत में मिला।

छात्रा का चेहरा और एक हाथ जला था। छात्रा के परिजनों ने अगवा करके सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने कल्याणपुर गांव के अंकुश, अंकित और निशांत सहित तीन अज्ञात के नाम तहरीर दी है। परिजनों ने टीपीनगर पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

पुलिस ने आरोपी अंकुश को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी ने बताया कि पूछताछ में अंकुश ने माना है कि छात्रा उसके साथ गई थी। दूसरे युवक से संबंध होने के शक में उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव खेत में फेंक दिया।

एसएसपी का कहना है कि दुष्कर्म की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो पाएगी। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा। रविवार को दोपहर में लगभग दो बजे रोहटा क्षेत्र के उकसिया गांव का किसान सिंचाई के लिए पहुंचा तो ईंख के खेत में छात्रा का शव देखा।

> युवती और आरोपी अंकुश के आपस में संबंध थे। युवती अंकुश के साथ बाइक से गई थी। अंकुश को छात्रा के मोबाइल में दूसरे युवक की चैट देखकर शक हो गया। गुस्से में आकर उसने छात्रा की गला दबाकर हत्या कर दी।
> -अविनाश पांडेय, एसएसपी

छात्रा के कपड़ों में उसका आधार कार्ड मिला। पहचान होने पर रोहटा पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद पिता व परिजन मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की।

बीए अंतिम वर्ष में पढ़ती थी छात्रा

छात्रा के पिता ने बताया कि उनकी बेटी बीए अंतिम वर्ष की छात्रा थी। 15 मई को वह परीक्षा देने के लिए गई थी। इसके बाद घर नहीं लौटी। उसका फोन स्विच ऑफ था। इसकी सूचना उन्होंने टीपीनगर थाना पुलिस को दी थी। बेटी के वापस न आने पर उसी दिन एक युवक पर शक जाहिर करते हुए अपहरण की आशंका जताई थी।

इसके बावजूद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। अगले दिन तहरीर बदलवाकर गुमशुदगी दर्ज की गई। बेटी और उसके अपहर्ता को तलाशने का प्रयास नहीं किया गया। शव मिलने के बाद परिजन रोहटा थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की लेकिन पुलिस रात नौ बजे तक सीमा विवाद में उलझी रही।

फुटेज में अंकुश के साथ बाइक पर जाती दिखी छात्रा

एसपी सिटी ने बताया कि टीपीनगर थाना पुलिस की जांच में पता चला था कि छात्रा अंकुश के साथ बाइक पर गई थी। उसका रोहटा अड्डे और भूनी टोल के पास का सीसीटीवी फुटेज मिला। इसमें आरोपी अंकुश बाइक लेकर छात्रा के पास रुकता है और छात्रा बाइक पर बैठ जाती है। इसके बाद दोनों वहां से चले गए। भूनी टोल के फुटेज में सुबह 10:28 मिनट के करीब छात्रा अंकुश की बाइक पर बैठकर जाती दिखी है। दूसरे युवक से संबंध के शक में छात्रा की हत्या की गई है।

तीर्थ स्थल धोपाप में निकली भव्य कलश शोभायात्रा, आज से प्रारंभ होगी श्रीराम कथा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। धोपाप धाम में आयोजित होने वाली श्रीराम कथा के शुभारंभ से एक दिन पूर्व आज भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में रथ पर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं बजरंगबली की आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। सैकड़ों की संख्या में मातृशक्तियों ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ शोभायात्रा में सहभागिता की। कथा के मुख्य संयोजक एवं धोपाप विकास बोर्ड के अध्यक्ष तथा भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी के नेतृत्व में यह भव्य शोभायात्रा सागर कुटीवा से प्रारंभ होकर पवित्र तीर्थ स्थल धोपाप पहुंची। वहां आदि गंगा मां गोमती के पावन तट से जल भरकर आचार्य पंडित राहुल जी द्वारा विधिवत कलश पूजन कराया गया। तत्पश्चात श्रद्धालु कलश लेकर धोपाप मंदिर पहुंचे, जहां पूजन-अर्चन के उपरांत भगवान श्रीराम के मंदिर में कलश स्थापित किया गया। इस अवसर पर मुख्य आयोजक रवीन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि गत कई वर्षों से धोपाप धाम में श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं आध्यात्मिक वातावरण के विकास हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 19 मई से 25 मई तक प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। 25 मई को कथा विश्राम होगा तथा रात्रि में तहरी प्रसाद का वितरण किया जाएगा। वहीं 26 मई को प्रातः 6 बजे से प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा।

सुल्तानपुर में एनएचएम संविदा कर्मचारियों का प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पूरे उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। पिछले दो महीनों (मार्च और अप्रैल 2026) से मानदेय न मिलने से नाराज कर्मचारियों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 20 मई तक उनका बकाया मानदेय नहीं चुकाया गया, तो 21 मई से नो पे-नो वर्क की नीति अपनाते हुए पूर्ण कार्य बहिष्कार करेंगे।

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने सुल्तानपुर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और प्रशासन को एक पत्र सौंपा। इस पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि 20 मई तक लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया, तो जिले के सभी कर्मचारी 21 मई से पूर्ण कार्य बहिष्कार पर चले जाएंगे। कर्मचारियों का कहना है कि नया शैक्षणिक सत्र

शुरू हो चुका है, जिससे बच्चों की स्कूल फीस, किताबों और दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। इस स्थिति ने उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। प्रांतीय संगठन के निर्देशानुसार, 18, 19 और 20 मई को प्रदेश भर के सभी एनएचएम संविदा कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन दर्ज करा रहे हैं। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि 20 मई तक दो महीने का मानदेय नहीं मिला, तो 21 मई से पूरी तरह से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि जनहित को ध्यान में रखते हुए आ पा त का ली न सेवाएं सुचारू रूप से संचालित रहेंगी।

डॉ. आकर्ष शुक्ला ने मीडिया से बातचीत में बताया कि जिले के एनएचएम कर्मचारियों का वेतन लंबित है। समय पर मानदेय न मिलने के कारण सभी कर्मचारी और उनके परिवार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी पूरी ईमानदारी से ड्यूटी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उनका हक नहीं मिल रहा है, जिससे उन्हें घर का किराया, बिजली का बिल और बच्चों की स्कूल फीस भरने में दिक्कत हो रही है।

48 डिग्री की भीषण गर्मी में गौ रक्षा के लिए पदयात्रा पर निकले जगद्गुरु शंकराचार्य

सुल्तानपुर। गौहत्या मुक्त भारत और गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ देशव्यापी पदयात्रा पर निकले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का 20 मई 2026 बुधवार को सुल्तानपुर आगमन होगा। भीषण 48 डिग्री तापमान के बीच जारी उनकी 81 दिवसीय भारत भ्रमण पदयात्रा को लेकर जिले के सनातन धर्मावलंबियों और गौभक्तों में उत्साह देखा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार दोपहर 2 बजे शाहगंज-पयागीपुर स्थित तिकोनिया पार्क में शंकराचार्य जी का भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके उपरांत वे धर्मसभा को संबोधित करेंगे और गौसंरक्षण, सनातन संस्कृति तथा राष्ट्रहित के विषयों पर अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम के आयोजक राकेश तिवारी ने बताया कि सुल्तानपुर में पहली बार जगद्गुरु शंकराचार्य का इस प्रकार का ऐतिहासिक आगमन हो रहा है।

'एमपी सायोनी घोष का सिर काटने पर एक करोड़ का ईनाम', यूपी में पालिका चेयरमैन के बिगड़े बोल

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सांसद सायोनी घोष को लेकर शुरू हुआ विवाद बुलंदशहर के सिकंदराबाद तक आ पहुंचा है। हिंदू संगठनों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान सिकंदराबाद नगर पालिका चेयरमैन व भाजपा नेता डा. प्रदीप दीक्षित ने विवादित बयान दे दिया। पालिका चेयरमैन ने तृणमूल कांग्रेस सांसद का सिर काटने पर एक करोड़ रुपये का ईनाम देने की बात कहकर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया।

हिंदू संगठनों का आरोप है कि सायोनी घोष ने सोशल मीडिया पर भगवान शिव और शिवलिंग को लेकर कथित रूप से आपत्तिजनक पोस्ट साझा की थी, जिससे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। इसी मुद्दे को लेकर सिकंदराबाद में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी

संख्या में लोग शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान मंच से पालिका अध्यक्ष प्रदीप दीक्षित ने कहा कि 'जो भी व्यक्ति सायोनी घोष का सिर काटकर लाएगा, उसे मेरी तरफ से एक करोड़ रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा।' उनके इस बयान का वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। बयान सामने आने के बाद विपक्षी दलों और स्थानीय लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। राजनीतिक लोग एक जिम्मेदार संवैधानिक पद पर बैठे जनप्रतिनिधि द्वारा इस तरह की टिप्पणी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट जियाउर्रहमान ने कहा कि भाजपा चेयरमैन का बयान दर्शा रहा है कि भाजपा महिला सशक्तिकरण को लेकर कितनी गंभीर है। भाजपा नेता महिलाओं को लेकर जिस प्रकार बयान दे रहे हैं, उससे इनकी मानसिकता पता चल रही है। हालांकि, इस पूरे मामले में अभी तक पुलिस प्रशासन या जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई की बात सामने नहीं आई है।

वायरल वीडियो के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं कर लोग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह का कहना है कि अभी मामले की जानकारी नहीं है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर चलती रोडवेज बस में लगी भीषण आग, बाल-बाल बची 42 यात्रियों की जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अमेठी। पीपरपुर थाना क्षेत्र के अयोध्या-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित दुर्गापुर चौराहे पर सोमवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे परिवहन निगम की बस में आग लग गई। बस सुल्तानपुर से प्रयागराज जा रही थी।

परिचालक के मुताबिक बस पर 15 महिलाएं व 27 पुरुष सहित 42 यात्री सवार थे। बताया जाता है कि दुर्गापुर पहुंचने के एक किमी. पहले बस के अगले भाग में इंजन की तरफ धुंआ दिखाई दिया। चालक मुहम्मद अनीस धुएं पर पानी डालकर बुझाने की कोशिश किया।

बावजूद इसके धुंआ व आग की लपटें बढ़ती देख यात्रियों में अफरा तफरी के साथ चीख पुकार मच गई। दुर्गापुर चौराहे के पास राजमार्ग के बीचों बीच चालक ने बस रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया। यात्री बाल-बाल बच गए। बस धू-धू कर जल गई।

सुल्तानपुर से भूपियामऊ जा रही मंजू ने बताया कि जल्दबाजी में उसका एंड्रॉयड मोबाइल फोन छूट गया। डर से कांप रही महिला यात्री सबिता ने बताया कि आग की लपटें देख लग रहा था मौत का काल सामने खड़ा है। परिचालक रविकांत तिवारी ने बताया कि बस में आग तेल की नली जाम होने के कारण लगी थी। सभी यात्री सुरक्षित हैं। यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य को भेजा गया।

भीषण जाम से यात्री हुए परेशान

राजमार्ग के बीचोबीच जल रही बस की वजह से राजमार्ग पर भीषण जाम लग गया। एक घंटे लगे जाम से राहगीरों को जूझना पड़ा। आग बुझने के बाद बस को जेसीबी से किनारे लगाया गया। तक आवागमन बहाल हुआ।

पिकेट से नदारद रहे पुलिसकर्मी

दुर्घटना के समय दुर्गापुर चौराहे पर बनाए गए पिकेट के सिपाही नदारद रहे। लोगों द्वारा घटना की सूचना देने के बाद भी पहुंची पुलिस बगले झांकती रही। फायर ब्रिगेड के कर्मी भी एक घंटे बाद पहुंचे। तब तक आग पर काबू पाया जा चुका था।

प्रभारी निरीक्षक अरुण मिश्रा ने बताया कि बस पर सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। बस के अवशेष को हाईवे के किनारे करवा दिया गया है। आवागमन बहाल है। पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मियों के न रहने की जांच की जाएगी।

कपड़ों की दुकानों के पीछे छिपा वाटर कूलर बना शोपीस

सुल्तानपुर। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच जहां राहगीर पानी की एक-एक बूंद के लिए परेशान हैं, वहीं नगर क्षेत्र में जनता की सुविधा के नाम पर लगाए गए सरकारी प्याऊ बदहाली का शिकार बने हुए हैं। ताजा मामला कोतवाली नगर सुलतानपुर के ठीक सामने और तहसील मुख्य गेट के बगल का है, जहां लोगों की प्यास बुझाने के लिए लगाया गया वाटर कूलर अब कपड़ों की अस्थायी दुकानों के पीछे पूरी तरह छिप चुका है। हालत यह है कि दूर-दराज से तहसील और कोतवाली आने वाले लोग प्याऊ तक पहुंच ही नहीं पा रहे हैं और मजबूरन बोतलबंद पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चिलचिलाती गर्मी में जहां दो कदम चलना मुश्किल हो रहा है, वहीं सरकारी धन से लगाए गए प्याऊ यदि सही तरीके से संचालित हों तो आम जनता को काफी राहत मिल सकती है। लेकिन जिम्मेदार विभागों की अनदेखी और उदासीनता के चलते यह सुविधा सिर्फ नाम मात्र बनकर रह गई है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर यूपी रोडवेज की सीधी बस सेवा शुरू, कम समय में प्रयागराज से मेरठ 839 रुपये में पहुंच सकेंगे यात्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। संगम नगरी के निवासियों और नियमित यात्रा करने वाले लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। प्रयागराज से मेरठ के बीच यात्रा को अधिक सुगम, तेज और आरामदायक बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपी रोडवेज) ने नवनिर्मित गंगा एक्सप्रेसवे पर अपनी सीधी बस सेवा का आधिकारिक संचालन आज सोमवार यानी 18 मई से शुरू कर दिया है। इस नई सेवा की जिम्मेदारी प्रयागराज के लीडर रोड डिपो को सौंपी गई है, जिससे दोनों प्रमुख शहरों के बीच की दूरी अब बेहद कम समय में तय की जा सकेगी।

इस सीधी बस सेवा की पहली बस सोमवार सुबह प्रयागराज के विद्यावाहिनी मैदान से मेरठ के लिए रवाना हुई। एक्सप्रेसवे पर बसों के दौड़ने से अब यात्रियों को पारंपरिक रूटों के मुकाबले काफी कम समय लगेगा। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त परेशानी के एक्सप्रेसवे के जरिए सीधे उनके गंतव्य तक पहुंचाना है।

लंबी दूरी के इस सफर को यात्रियों के लिए आरामदायक बनाने के लिए रोडवेज प्रबंधन ने विशेष इंतजाम किए हैं। पूरी यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रास्ते में दो चुनिंदा स्थानों पर जलपान (रिफ्रेशमेंट) के लिए ठहराव (स्टॉपेज) तय किया गया है। किराए की बात करें तो विभाग ने प्रयागराज से मेरठ तक का सफर बेहद किफायती रखा है। इसके लिए प्रति यात्री 839 रुपये का किराया निर्धारित किया गया है, जो निजी वाहनों या अन्य साधनों की तुलना में काफी बजट-अनुकूल है।

आम जन के साथ व्यापारी-छात्रों को सीधा लाभ

गंगा एक्सप्रेसवे पर इस सीधी बस सेवा के शुरू होने से सबसे ज्यादा राहत व्यापारी वर्ग, नौकरीपेशा लोगों और छात्र-छात्राओं को मिलेगी। प्रयागराज और मेरठ दोनों ही शिक्षा और व्यापार के बड़े केंद्र हैं। अब तक दोनों शहरों के बीच सीधा और तेज सड़क संपर्क न होने से लोगों को काफी परेशानी होती थी और समय भी बर्बाद होता था। हालांकि अब गंगा एक्सप्रेसवे के इस्तेमाल से समय की भारी बचत होगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी और छात्रों का आवागमन भी सुरक्षित व तेज हो सकेगा। रोडवेज के इस कदम से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और परिवहन व्यवस्था को एक नई मजबूती मिली है। स्थानीय नागरिकों ने भी सरकार और परिवहन निगम की इस पहल का स्वागत किया है।

> फिलहाल इस सेवा को एक तय समय सारणी के अनुसार शुरू किया गया है। आने वाले दिनों में यात्रियों के रिस्पांस, उनकी संख्या और फीडबैक को देखा जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो भविष्य में बस के संचालन समय और फेरों में जरूरी बदलाव भी किए जा सकते हैं।
> - रविंद्र कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक (यूपी रोडवेज)

निर्धन बालिकाओं का एमजीएस में निशुल्क प्रवेश होगा : प्रबंधक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। एमजीएस इंटर कॉलेज में शैक्षिक उन्नयन के लिए मालवीय हॉल में शिक्षकों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

बताते चलें एमजीएस इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ विनोद कुमार सिंह (सदस्य, शिक्षा सेवा चयन आयोग) की अध्यक्षता में मालवीय हाल में शैक्षिक उन्नयन के लिए विद्यालय के शिक्षकों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें प्रबंधक ने शिक्षकों से विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन के लिए राय मांगी। शिक्षकों ने बताया ग्रीष्म अवकाश में भी हम सब मिलकर विद्यालय के छात्रों के लिए प्रातः कालीन कक्षाएं संचालित करे। जिसमें खेल आधारित शिक्षा दी जाए, जिससे छात्रों में कौशलात्मक विकास हो सके। प्रबंधक ने प्रातःकालीन कक्षाओं

के संचालन के लिए सहमति प्रदान की। प्रबंधक ने अपने संबोधन में बताया कि हाई स्कूल और इंटर की परीक्षा में विद्यालय की बालिकाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। प्रबंधक ने बताया कि प्रबंध समिति ने निर्णय लिया है की जनपद में किसी भी बालिका की शिक्षा धनाभाव के कारण नहीं छूटेगी। आधी आबादी (बालिका) को शिक्षित करने के लिए हम कृत संकल्पित हैं। सभी छात्राओं को विद्यालय की तरफ से पिछले वर्षों की तरह वर्तमान सत्र में निर्धन बालिकाएं बिना शुल्क प्रवेश प्राप्त कर सकती हैं और नवप्रवेशी छात्राओं को विद्यालय निःशुल्क गणवेश प्रदान करेगा। प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षकों को पूरी ऊर्जा के साथ अध्यापन कार्य करने पर बल दिया।

शैक्षिक संगोष्ठी में उप प्रधानाचार्य विचित्र वीर सिंह, दीपक सिंह, राकेश कुमार सिंह, वैभव रघुवंशी, मधुलिका सिंह, किरन वर्मा, अंजली, प्रज्ञा, लाल रत्नाकर अंजनी श्रीवास्तव, डॉ अम्बरीष, सुमित श्रीवास्तव, पवन कुमार, सुनील कुमार सिंह, तुलसीराम यादव, रमेश वर्मा, उपकार श्रीवास्तव, अशोक, माधवराम यादव, छोटेलाल सरोज, धर्मेंद्र पांडे, राम प्रकाश, राजेश कन्नौजिया, रमेश प्रजापति, राजीव सिंह, हरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

यूपी के बांदा में आसमान से बरस रही आग, लगातार दूसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर, तापमान 46.4°C

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। गर्मी का कहर लगातार जारी है। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन भी सबसे गर्म बांदा रहा। प्रदेश के साथ-साथ बांदा देश का सबसे गर्म शहर बना हुआ है। सुबह से ही तेज धूप के कारण लोग परेशान हैं।

गर्मी व तेज धूप से बचने के लिए लोगों को शीतल पेय पदार्थों का सहारा लेना पड़ रहा है। ज्यादातर बाइक सवार चेहरा ढक कर निकले। दोपहर को सड़कें सूनी हो गईं। यदा-कदा ही लोग जरूरी काम के लिए बाहर निकले। बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन समेत चौराहों में जगह-जगह गन्ने के रस, नारियल पानी व लस्सी की दुकानों में भीड रही। तापमान अधिकतम 46.4 व न्यूनतम 28 डिग्री रहा। गर्मी के कारण रात भर कूलर व पंखे आग उगलते रहे। ऐसे में लोगों की रात बेचैनी में कटी। बिजली कटौती के कारण भी लोग सो नहीं पाए।

भीषण गर्मी के कारण लोग परेशान

जिले में इधर कई दिनों से एक बार फिर सूरज के तेवर तल्ख होने लगे हैं। शनिवार व रविवार दोनों दिन प्रदेश में सबसे अधिक बांदा का तापमान रिकार्ड किया गया। शनिवार को तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा, तो दूसरे दिन रविवार को 1.6 डिग्री तापमान में बढ़ोत्तरी के साथ 46.4 डिग्री पर पहुंच गया। शनिवार को रात भर पंखे व कूलर से गर्म हवा निकलती रही।

बीच-बीच घंटों लाइट कटौती से लोग बेचैन रहे। बुजुर्गों व बच्चों की बड़ी दिक्कत में रात कटी। किसी तरह रात बीती तो रविवार सुबह से ही सूरज के तल्ख तेवर से लोग परेशान रहे। लू चलने के कारण दोपहर होते-होते सड़कों में सन्नाटा पसरने लगा। जरूरी काम से ही लोग बाहर निकले। बाइक सवार लोग चेहरा ढके हुए नजर आए। गर्मी और धूप से बेहाल लोगों को शीतल पेय पदार्थों का सहारा लेना पड़ा। बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन समेत चौराहों में जगह-जगह गन्ने के रस, नारियल पानी व लस्सी की दुकानों में गला तर करने वालों की भीड़ रही। केन नदी में स्नान कर गर्मी दूर भगाते दिखे।

> तापमान में अभी और भी बढोत्तरी होगी। सीधी धूप व लू से लोगों को बचना चाहिये। दोपहर में घर में ही रुके। यदि मजबूरी में निकलना पड़े तो शरीर पूरी तरह से ढक निकलें।
> दिनेश साहा, मौसम विज्ञानी, बांदा

रविवार का अधिकतम 46.4 व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर बाद लोग लू के थपेड़ों से जूझते नजर आए। गर्म हवा 13 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के कारण लोग झुलसते रहे। जिला अस्पताल में मरीजों के भीड़ रही। मरीजों को लाने वाले एंबुलेंस में एसी न होने से मरीज व तीमारदार तपते रहे। ट्रामा सेंटर मरीजों से भरा रहा। उधर चिकित्सकों ने गर्मी से बचने और पानी पीने की सलाह दी है।

सलाह

धूप में निकलने से बचें, खाली पेट घर से बाहर न निकलें।

खाने में स्वच्छता का ध्यान रखें, मसालेदार भोजन न करें।

तरल पदार्थों का ज्यादा सेवन करें, एक बार में अधिक खाने से परहेज करें।

तला भूना व मसालेदार फास्ड फूड से परहेज करें।

आरामदायक कपड़े पहनें, चेहरे व सिर को ढक कर ही बाहर निकले।

पंचायत आरक्षण आयोग, 1010 बेड अस्पताल समेत 12 प्रस्ताव पास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को लखनऊ में हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी। 12 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग गठन को मंजूरी सबसे चर्चित फैसला रहा।

इसके अलावा लखनऊ मेट्रो के चारबाग से बसंतकुंज कॉरिडोर के एमओयू को हरी झंडी मिली, जबकि पशु चिकित्सा छात्रों का इंटर्नशिप भत्ता बढ़ाकर 12000 हजार प्रतिमाह कर दिया गया। कैबिनेट के फैसलों को आगामी चुनावों और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

पंचायत चुनाव के लिए ओबीसी आयोग गठन को मंजूरी

कैबिनेट बैठक में पंचायत चुनाव और वेटनरी छात्रों से जुड़े दो बड़े फैसलों को मंजूरी दी गई। सरकार ने पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को हरी झंडी दे दी है। आयोग में कुल पांच सदस्य होंगे और इसकी अध्यक्षता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे। आयोग का कार्यकाल छह महीने निर्धारित किया गया है।

सरकार के अनुसार, आयोग पंचायत चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट देगा। इसके बाद ही पंचायत चुनावों में आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। माना जा रहा है कि आयोग की रिपोर्ट नवंबर 2026 तक सामने आ सकती है। ऐसे में पंचायत चुनाव अब विधानसभा चुनाव 2027 के बाद होने की संभावना जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि 4 फरवरी 2025 को हाईकोर्ट ने सरकार को आयोग गठन का निर्देश दिया था।

वेटनरी छात्रों का इंटर्नशिप भत्ता बढ़ा

कैबिनेट बैठक में पशु चिकित्सा के छात्रों को भी बड़ी राहत दी गई। बीवीएससी एंड एएच (बैचलर ऑफ वेटनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंड्री) के छात्रों का इंटर्नशिप भत्ता 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

प्रदेश के विभिन्न वेटनरी कॉलेजों में हर साल करीब 2 हजार से 2,500 छात्र प्रवेश लेते हैं। वर्तमान में यूपी में 10 हजार से अधिक वेटनरी छात्र अध्ययन कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले से छात्रों को आर्थिक सहायता मिलेगी।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

प्रयाराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल का विस्तार के लिए जमीन चिकित्सा शिक्षा विभाग को दी जाएगी। इससे प्रयागराज और आसपास के जिलों के मरीजों को फायदा मिलेगा।

मिर्जापुर में बड़ा बिजली उपकेंद्र और नई बिजली लाइनें बनेंगी। इस पर करीब 2800 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे घरों, दुकानों और फैक्ट्रियों को बेहतर और लगातार बिजली मिलेगी। उद्योगों को फायदा होगा और निवेश बढ़ेगा। लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के नए परिसर में 1010 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी इमरजेंसी अस्पताल, टीचिंग ब्लॉक और नया ओपीडी ब्लॉक बनाया जाएगा। इस पर करीब 855 करोड़ रुपए खर्च होंगे। आगरा मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत मेट्रो कॉरिडोर-2 में आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक मेट्रो स्टेशन और वायाडक्ट निर्माण के लिए जमीन हस्तांतरण के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं फरियादें, बोले— हर जरूरतमंद को मिलेगा न्याय, बिहार से पहुंची महिला बोलीं : 'बस दर्शन करेके रहल'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपनी व्यस्ततम दिनचर्या के बीच 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनसेवा, सुरक्षा और सुशासन सरकार का संकल्प है तथा प्रत्येक व्यक्ति की उचित समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश भी दिए।मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। किसी ने भूमि विवाद, राजस्व संबंधी प्रकरण, पुलिस कार्रवाई, चिकित्सा सहायता, आवास, पेंशन और रोजगार से जुड़ी शिकायतें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं, तो कई लोग अन्य व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जनता दर्शन में प्राप्त प्रार्थना पत्रों को लेने के बाद मुख्यमंत्री ने संबंधित जनपदों के अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक स्वयं ऐसे मामलों की निगरानी करें तथा यह सुनिश्चित करें कि पीड़ितों की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। जरूरतमंदों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और भूमि कब्जाने वाले भू-माफिया तथा दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने राजस्व और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष बल दिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार जनहित और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान सरकार की प्रतिबद्धता है और प्रशासनिक मशीनरी को संवेदनशीलता तथा तत्परता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक राहत मिले। जनता दर्शन कार्यक्रम में एक भावनात्मक क्षण भी देखने को मिला, जब बिहार से आई एक महिला मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं।

○ संक्षेप ○

बीबीएयू के पूर्व शोधार्थी डॉ. सूरज कुमार द्विवेदी का बेंगलुरु के प्रतिष्ठित शोध संस्थान में चयन

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के पूर्व शोधार्थी डॉ. सूरज कुमार द्विवेदी का चयन बेंगलुरु स्थित प्रतिष्ठित शोध संस्थान पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम् में कॉलेज लाइब्रेरियन के पद पर हुआ है। यह संस्थान राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से संबद्ध है तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित होता है।डॉ. सूरज कुमार द्विवेदी की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संस्थान के लिए गौरव का विषय बताया है। विश्वविद्यालय के कुलपति राज कुमार मित्तल ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।डॉ. सूरज कुमार द्विवेदी ने वर्ष 2024 में बीबीएयू के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से प्रोफेसर एवं आईक्यूएसी निदेशक शिल्पी वर्मा के निर्देशन में पीएचडी उपाधि प्राप्त की थी। उनका शोध कार्य पांडुलिपियों के संरक्षण एवं अभिगम्यता विषय पर केंद्रित रहा, जिसे शैक्षणिक जगत में सराहना मिली।विश्वविद्यालय परिवार ने डॉ. द्विवेदी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। शिक्षकों, शोधार्थियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मोहनलालगंज पुलिस की तत्परता से दो नाबालिग बहनें सकुशल बरामद, परिजनों ने जताया आभार

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र से बहला-फुसलाकर ले जाई गई दो नाबालिग बहनों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने चार विशेष टीमें गठित कर लगातार प्रयास किए और करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए दोनों बालिकाओं तक पहुंचने में सफलता हासिल की। बच्चों की सुरक्षित वापसी पर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया है।पुलिस के अनुसार 12 मई 2026 को मोहनलालगंज थाना क्षेत्र की एक महिला ने सूचना दी कि उनकी मृत पुत्री की दो नाबालिग बेटियां, जिनकी उम्र लगभग 16 वर्ष और 12 वर्ष है, उनके साथ रह रही थीं। आरोप है कि रिश्तेदार शिवानी पुत्री अमरेश, निवासी ग्राम बरवारीपुर थाना मील एरिया जनपद रायबरेली तथा प्रिया पटेल पत्नी अनुराग यादव, निवासी भदोखर राही रायबरेली, जो वर्तमान में पीडब्ल्यूडी कॉलोनी थाना मील एरिया रायबरेली में रह रही हैं, दोनों बच्चियों को बहला-फुसलाकर अज्ञात स्थान पर ले गईं।

ग्राम प्रधानों ने कार्यकाल को लेकर गांधी प्रतिमा पर दिया सांकेतिक धरना, बृजेश पाठक ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

लखनऊ। ग्राम पंचायतों के कार्यकाल और संचालन अधिकार को लेकर अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्राम प्रधानों ने प्रदेश सरकार से मांग की कि ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी ग्राम प्रधानों को पंचायत संचालन का अधिकार दिया जाए। प्रदर्शन के दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक मौके पर पहुंचे और ग्राम प्रधानों को उनकी मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने ग्राम प्रधानों को लड्डू खिलाकर धरना समाप्त कराया।अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस सांकेतिक धरने में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों ग्राम प्रधान शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मध्य प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद ग्राम प्रधानों को ही पंचायत संचालन का अधिकार दिया जाना चाहिए।ग्राम प्रधानों का तर्क था कि पंचायतों के संचालन में निरंतरता बनाए रखने और विकास कार्यों को प्रभावित होने से बचाने के लिए यह व्यवस्था आवश्यक है।

स्कूल-कॉलेजों से वसूले जा रहे जलकर और सीवर कर पर नगर निगम सख्त, एक सप्ताह में आपत्तियों के निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। । राजधानी में स्कूलों और कॉलेजों से वसूले जा रहे जलकर एवं सीवर कर को लेकर उठी आपत्तियों के समाधान के लिए नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शिक्षण संस्थानों से प्राप्त सभी आपत्तियों की सुनवाई और पुनरीक्षण की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी कर ली जाए, ताकि किसी भी प्रकार की असमंजस की स्थिति समाप्त हो सके।नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह सहित सभी जोनल अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में स्कूलों एवं कॉलेजों पर लगाए गए जलकर और सीवर कर से संबंधित प्राप्त आपत्तियों की विस्तृत समीक्षा की गई और उनके समयबद्ध समाधान पर जोर दिया गया।महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षण संस्थानों की ओर से प्रस्तुत आपत्तियों की गंभीरता से सुनवाई की जाए और कर निर्धारण में यदि किसी प्रकार की त्रुटि या संशोधन की आवश्यकता हो तो उसका तत्काल निराकरण किया जाए।बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि नए कर निर्धारण के बाद वार्षिक मूल्य में होने वाले संशोधनों को तत्काल अभिलेखों में अद्यतन किया जाए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि कर निर्धारण प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो और सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।नगर आयुक्त ने इस पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी के लिए प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मामले का समयबद्ध और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि स्कूलों और कॉलेजों को किसी प्रकार की प्रशासनिक या वित्तीय असुविधा का सामना न करना पड़े।बैठक के दौरान अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर भी जोर दिया गया। नगर निगम प्रशासन का मानना है कि व्यवस्थित और पारदर्शी कर निर्धारण व्यवस्था से शिक्षण संस्थानों की समस्याओं का समाधान होगा और निगम की कार्यप्रणाली पर विश्वास भी मजबूत होगा।

मिश्रपुर के जंगल में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के गुडम्बा थाना क्षेत्र में रविवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्राम मिश्रपुर के जंगल में युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले के अन्य पहलुओं की भी पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 18 मई 2026 को डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना गुडम्बा क्षेत्र के ग्राम मिश्रपुर के जंगल में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही थाना गुडम्बा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई।प्रभारी निरीक्षक गुडम्बा अपनी टीम तथा चौकी प्रभारी संदीप सिंह गौर अन्य पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के दौरान मृतक की पहचान दिलीप रावत पुत्र स्वर्गीय रामसनेही रावत, निवासी बरकुरदारपुर टेढ़वा थाना गुडम्बा, लखनऊ के रूप में हुई। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक युवक ने पेड़ से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की है।घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस आत्महत्या के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए केजीएमयू भेज दिया गया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

उत्तर प्रदेश को 2400 मेगावाट की नई तापीय ऊर्जा परियोजना की सौगात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 2400 मेगावाट क्षमता की नई तापीय ऊर्जा परियोजना को मंजूरी दे दी है। 3×800 मेगावाट क्षमता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 38,358 करोड़ रुपये होगी। प्रदेश सरकार और NTPC के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से स्थापित की जाने वाली यह परियोजना राज्य की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।प्रदेश सरकार ने इसके साथ ही भविष्य की बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए 765/400 केवी, (4×1500 एमवीए) मीरजापुर पूलिंग उपकेंद्र (एआईएस) और संबंधित पारेषण लाइनों के निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया है। इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न तापीय और पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं से उत्पादित विद्युत की निर्बाध निकासी सुनिश्चित करना है।

युवती को 6 टुकड़ों में काटा, 5 ट्रेन में मिले, सिर गायब, बक्से में धड़ और हाथ-पैर पॉलिथीन में पैक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक युवती की बड़ी बेरहमी से हत्या कर शव को छह टुकड़ों में काटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्यारों ने उसके सिर कटे धड़ को बक्से में और हाथ व पैर को पॉलिथीन में पैक कर बैग में रखकर छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में छोड़ दिया। रविवार सुबह ट्रेन लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ। शव के पांच टुकड़े बरामद हुए, लेकिन सिर गायब है। जीआरपी के अनुसार, ट्रेन गोमतीनगर स्टेशन पहुंची, तो स्लीपर कोच एस-1 में लावारिस बक्सा और बैग पड़े होने की सूचना मिली।

बक्सा खोला गया, तो उसमें 25-30 वर्ष की आयु की महिला का धड़ मिला, जिससे लोग सन्न रह गए। पास रखे बैग से पॉलीथीन में पैक हाथ-पैर बरामद हुए। जांच के लिए तत्काल फोरेंसिक टीम बुलाई गई। एसीपी रेलवे रोहित मिश्र ने बताया कि मामला दर्ज कर तीन टीमों को हत्याकांड के खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बोगी में आरक्षित टिकट वाले यात्रियों का ब्योरा लिया गया है। हालांकि, सामान्य टिकट वाले भी उसमें सवार थे। इससे जांच में दिक्कत हो सकती है।

20 स्टेशनों के खंगाले जाएंगे सीसीटीवी

छपरा-गोमतीनगर ट्रेन 20 स्टेशनों से गुजरती है और 12 घंटे में सफर पूरा करती है। रूट के स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर यह पता लगाया जा रहा है कि बक्सा लेकर बोगी में कौन सवार हुआ था।

शव के टुकड़े ऐसे पैक थे, खून के धब्बे बाहर न आ सकें

युवती के शव को बेहद धारदार हथियार या इलेक्ट्रॉनिक कटर से काटे जाने की आशंका है। युवती के शव पर किसी अन्य प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं। हत्यारों ने बेहद शातिराना तरीके से शव को बक्से और बैग में भरकर ट्रेन में इस तरह रखा कि किसी को भी भनक नहीं लगी। शव ऐसे पैक किया गया था कि खून के धब्बे बाहर नहीं आएं।

रंगबिरंगा सूट पहने थी युवती, ग्रामीण परिवेश के होने की आशंका

बॉक्स में मिले युवती के धड़ पर सूट था। सूट रंगबिरंगा था। जिसे देखकर आशंका जताई जा रही है कि युवती ग्रामीण परिवेश की हो सकती है। हालांकि जांच टीमें अभिनय पर कुछ भी कहने से बच रही हैं।

मच गया हड़कंप, रेलवे अफसर भी हुए सक्रिय

छपरा गोमतीनगर एक्सप्रेस में महिला की सिर कटी लाश मिलने से हड़कंप मच गया। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल से लेकर गोरखपुर मुख्यालय तक के अफसर सक्रिय हो गए। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं।

एसीपी रेलवे रोहित मिश्र ने बताया कि मामला दर्ज कर तीन टीमों को हत्याकांड के खुलासे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवती की पहचान नहीं हो सकी है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बोगी में आरक्षित टिकट वाले यात्रियों का ब्योरा लिया गया है।

भीषण गर्मी की चपेट में यूपी, 33 जिलों में लू की चेतावनी, लखनऊ में झुलसाने वाली गर्मी का अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बुंदेलखंड समेत दक्षिणी यूपी के कई जिले भीषण लू और झुलसाने वाली गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने 19 से 23 मई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तपिश बढ़ने, गर्म हवाएं चलने और पारे में लगातार बढ़ोतरी होने की जानकारी दी है। इससे कई जिलों में दिन के समय हालात और कठिन होने की आशंका है।

सोमवार के लिए प्रदेश के 33 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। रविवार को बांदा 46.4 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। इसके अलावा झांसी, प्रयागराज और हमीरपुर में भी लू का असर बेहद तीखा रहा। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल प्रदेश में मौसम शुष्क बना रहेगा। अगले कुछ दिनों तक तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

इन जिलों में है लू चलने की चेतावनी

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्ज़ापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालोन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के क्षेत्र।

झुलसाने वाली गर्मी के लिए रहिए तैयार

रविवार को तेज धूप और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से ही चिलचिलाती धूप का असर दिखाई दिया। दोपहर में लू जैसे हालात बनने से सड़कें सूनीं नजर आईं। शाम में धूप ढलने के बाद भी हवा में तपिश महसूस की गई। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम नजर आई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार अगले कुछ दिनों में गर्मी के तेवर और तल्ख होंगे। तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने के आसार हैं। अगले तीन दिन में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। रविवार को अधिकतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़त के साथ 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

घर से निकलने पर इन बातों का रखें ध्यान

दोपहर में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें।

थोड़ी-थोड़ी देर पर पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें।

एसी-कूलर वाले कमरे से अचानक धूप में न जाएं।

यात्रा के दौरान बीच-बीच में छांव में कुछ देर रुकें।

लू लगने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।

अमेरिका और चीनी की बढ़ती संवाद-प्रक्रिया के रणनीतिक साइड इफेक्ट्स को यूँ समझिए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल में ही बढ़ती संवाद-प्रक्रिया और संभावित रणनीतिक समझौते को दुनिया बेहद गंभीरता से देख रही है, क्योंकि बदलती वैश्विक दुनियादारी और नवमहत्वाकांक्षी देशों-गुटों की मतलबी कूटनीति-अर्थनीति से अमेरिका-चीन दोनों की अंतरराष्ट्रीय बादशाहत खतरे में है। आखिर जब एक तरफ रूस और भारत अपनी दशकों पुरानी मित्रता पर अडिग हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप भी अपने पुराने सम्बन्धों को तरोताजा कर रहे हैं, जो कि अमेरिकी डीप स्टेट की बिल्कुल नई विसात है।

देखा जा रहा है कि भारत की चतुराई और रूस की दृढ़ता से अमेरिका अपने ही बुने हुए जाल में फंसकर तड़फड़ा रहा है। वहीं, रूस-चीन की समझदारी से पश्चिमी एशिया में जो अमेरिका की फजीहत हुई है, उसके बाद अब चीन के समक्ष हथियार डालने के अलावा उसके पास कोई चारा भी नहीं बचा है। चूंकि ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के फार्मूले पर काम कर रहा हैं और रूस, भारत, फ्रांस, ब्राजील, जापान ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिए हैं, ऐसे में पाकिस्तान को साधकर अरब में अपनी इज्जत बचाना और चीन के दरबार में हाजिरी लगाने के अलावा उनके पास कोई चारा भी नहीं बचा हुआ था।

ऐसे में यदि अमेरिका और चीन के बीच टकराव कुछ कम होता है और "नई दोस्ती" या व्यावहारिक सहयोग बढ़ता है, तो इसके वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। चूंकि दोनों देश पहले भी एक दूसरे के करीब रहे हैं, इसलिए उनके बीच कूटनीतिक प्रेम की पहल अमेरिकी की भूल सुधार रणनीति समझी जानी चाहिए और अपने उद्देश्य में ट्रंप सफल प्रतीत हो चुके हैं। हालांकि यह भविष्य के गर्त में है कि चीनी चाकरी अमेरिका कहाँ तक कर पाएगा?

अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंधों का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।

पहला, वैश्विक बाजारों में स्थिरताः अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध कम होने पर शेयर बाजारों और निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है। सप्लाई चेन संकट कम हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र को राहत मिल सकती है।

दूसरा, तेल और ऊर्जा बाजारः यदि दोनों देश सहयोग करते हैं, तो वैश्विक ऊर्जा कीमतों में अनिश्चितता कम हो सकती है। मध्य पूर्व में तनाव कम कराने के लिए संयुक्त दबाव बन सकता है।

तीसरा, डॉलर बनाम युआनः चीन लंबे समय से डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को चुनौती देना चाहता है। ऐसे में अगर रिश्ते सुधरते हैं, तो अमेरिका कुछ आर्थिक संतुलन के साथ चीन को सीमित छूट दे सकता है, लेकिन डॉलर की केंद्रीय भूमिका तुरंत कमजोर नहीं होगी।

चतुर्थ, रूस, यूरोप और भारत पर प्रभावः जहां तक रूस की बात है कि रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के लिए यह स्थिति मिश्रित हो सकती है। यदि अमेरिका और चीन करीब आते हैं, तो रूस की सामरिक उपयोगिता कुछ घट सकती है। लेकिन चीन रूस को पूरी तरह छोड़ने की स्थिति में नहीं होगा, क्योंकि उसे ऊर्जा और सैन्य संतुलन की जरूरत है।

वहीं, जहां तक यूरोप की बात है तो यूरोपीय देश राहत महसूस करेंगे क्योंकि अमेरिका-चीन तनाव से वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा था। लेकिन यूरोप को डर रहेगा कि कहीं अमेरिका चीन के साथ सौदेबाजी में यूरोपीय हितों को पीछे न छोड़ दे।

जहां तक भारत की बात है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के लिए यह स्थिति अवसर और चुनौती दोनों ला सकती है। जहां संभावित अवसर के रूप में वैश्विक व्यापार स्थिर होने से भारतीय निर्यात को लाभ मिलेगा। अमेरिका और चीन दोनों भारत को संतुलनकारी शक्ति के रूप में महत्व देते रहेंगे। भारत वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र बन सकता है।

जहां तक संभावित चुनौतियाँ की बात है तो यदि अमेरिका चीन के प्रति नरम होता है, तो भारत पर चीन-विरोधी रणनीतिक दबाव कम हो सकता है। सीमा विवादों पर चीन अधिक आत्मविश्वासी रुख भी अपना सकता है। वहीं, क्वाड (QUAD) जैसे समूहों की रणनीतिक धार कुछ कम हो सकती है।

उत्तर प्रदेश,असम, पश्चिमी बंगाल में विरोधी दलों का मुस्लिम तुष्टिकरण

उत्तर प्रदेश 23 करोड़ आबादी वाला भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है। 403 सदस्यीय विधानसभा के अलावा 80 लोकसभा सीट सर्वाधिक है। उत्तर प्रदेश गंगा, जमुना, गंडक, तीर में बसा हराभरा प्रदेश है।

अजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, असम में कांग्रेस, पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के भंवर जाल में फंसती नजर आ रही हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में 2012-2017 तक समाजवादी पार्टी की सरकार रही लेकिन उसके बाद से 2017 से 2026 तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार है 2027 में आरंभ में चुनाव है। दो टर्म से भी भाजपा सत्ता में है और 1989 के बाद पहला मौका है जब सरकार लौटी है।

उत्तर प्रदेश 23 करोड़ आबादी वाला भारत का सबसे बड़ा प्रदेश है। 403 सदस्यीय विधानसभा के अलावा 80 लोकसभा सीट सर्वाधिक है। उत्तर प्रदेश गंगा, जमुना,गंडक,तीर में बसा हराभरा प्रदेश है। भौगोलिक हिसाब से पश्चिमी उत्तर प्रदेश,मध्य उत्तर प्रदेश,पूर्वी, और अवध में बटा हुआ है। समझा जाता है कि इस प्रदेश में सर्वाधिक कृषि भूमि है।आम, गन्ना, आलू, सब्जियों का बहुत बड़ा उत्पादन होता है। इस प्रदेश की राजनीत के बारे में कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश हो कर जाता है। गेहूं, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द,का भारत का सबसे बड़ा उत्पादन होता है।

उत्तर प्रदेश की राजनीत हमेशा से सर्वोपरि रही है। आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू,लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेई, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी प्रदेश से चुने जाते रहे ।इस उत्तर प्रदेश में मुस्लिम लगभग बीस फीसदी के आसपास है। आगरा, अलीगढ़, हापुड़, मेरठ, मुज्जफर नगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, लखनऊ, बरेली, सीतापुर सहित अनेक जिले मुस्लिम बाहुल्य है।

मुस्लिम तुष्टिकरण की शुरुआत सबसे पहले समाजवादी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने की जब रामजन्भूमि आंदोलन हो रहा था। उसके बाद वे मुख्यमंत्री बने तो मुस्लिमों के लिए मदरसे, कब्रिस्तान, उलेमा के लिए मस्जिदें बनाई गई वह भी शासकीय धन से, बदले में भारतीय जनता पार्टी ने हिंदुओं का धुव्रीकरण आरंभ किया। अखिलेश यादव ने मुलायम सिंह से बढ़कर मुस्लिम तुष्टिकरण किया । नरेंद्र मोदी सरकार आने के बाद हिंदुओं ने भी कुछ ध्रुवीकरण किया। हालांकि उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीट जीती।

बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश में कुल आवादी का 19 से 23 फीसदी तक मुस्लिम है। समाजवादी पार्टी अब मुस्लिम तुष्टिकरण के भंवर जाल में फंस गई है।बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत से सबसे अधिक राजनीतिक प्रभाव पडा है समाज वादी पार्टी और अखिलेश यादव की इंडी एलायंस की संभावना बहुत ही क्षीण हो गई है।असम में भारतीय जनता पार्टी की जीत से कांग्रेस को झटका लगा है।

2016 में पहली बार असम में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी और 2021में दूसरी बार सरकार बनाई और मुख्यमंत्री बने हेमंत विश्व शर्मा।हेमंत शर्मा ने कांग्रेस के मुस्लिम तुष्टिकरण को जमकर भुनाया है और 2026 के चुनावों में 126 विधानसभा क्षेत्र में से 102 पर जीत हासिल की । उल्लेखनीय है कि असम में 38 से 40 फीसदी मुस्लिम आवादी है।यहांपर बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों का मुद्दा प्रमुख है। हेमंत विश्व शर्मा कहते हैं कि कांग्रेस शासन में असम की डेमोग्राफी बदल गई है।150 वर्ष के शासन काल में कांग्रेस ने इन घुसपैठियों को आधार, वोटर,जैसी सुविधाओं को दिलाया। जिससे वे भारत के नागरिक बन गए और पीडीएस, चिकित्सा, पढ़ाई,में भारतीय की तरह सुविधाएं मिल गई।असल असमी परेशान था । इनमें से काफी लोग अपराधी हैं।

पश्चिम बंगाल में तो मुस्लिम तुष्टिकरण आजादी के 30 वर्ष बाद तब शुरू हुआ जब सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों की सरकार 1977 में बनी और घुसपेठ बंगाल में शुरु हुआ के बाद जब केंद्र में श्रीमती इंदिरा गांधी की सरकार थी और पश्चिमी पाकिस्तान की सेना ने पूर्वी पाकिस्तान में उत्पीड़न किया।1969 से पूर्वी पाकिस्तान से मुस्लिम घुसपेठ कर बंगाल में आए । पहले लेफ्ट पार्टियों ने बाद में तृणमूल कांग्रेस ने इन घुसपैठियों का उपयोग वोट के रूप में किया।

आज की स्थिति बंगाल में लगभग एक करोड़ मुस्लिम घुसपैठिए है। भारत निर्वाचन आयोग ने एस आई आर में 90 लाख मतदाता को हटाया है।बंगाल के भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष कहते है कि बंगाल में सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों ने आधारकार्ड, वोटरकार्ड मुहैया कराए और इन घुसपैठियों को भारतीय नागरिक बना दिया। अभी हाल में हुए बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत का विश्लेषण किया जाए तो ज्ञात होता है कि बहुसंख्यक हिंदुओं ने भाजपा को वोट दिया।एक तरह से यह उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी,के लिए खतरे की घंटी है। विख्यात पत्रकार आशुतोष मानते हैं कि कांग्रेस, डीएमके, तुड़मूल कांग्रेस, बीजेडी, सीपीएम, सीपीई को नए सिरे से रणनीति बनाना चाहिए क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने तो अपनी लाइन बड़ी करदी है।

2027 में उत्तर प्रदेश,पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड,गोवा में चुनाव है अभी पंजाब में आम आदमी पार्टी, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस,बाकी के प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

टिप्पणी

श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है और कार्य-स्थितियां बिगड़ी हैं। नतीजा बढ़ती श्रमिक अशांति है।

भारत में 2025 में श्रमिकों के लिए कम कामकाजी घंटे उपलब्ध हुए। यह तथ्य ताजा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से सामने आया है। इस हाल के निहितार्थ दूरगामी हैं। बारीक नजर डालें, तो मालूम पड़ेगा कि विभिन्न हिस्सों में इस समय दिख रही श्रमिक अशांति से लेकर एफएमसीजी (यानी तेल-साबुन जैसी रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली) कंपनियों पर बढ़ते दबाव के पीछे इसकी भूमिका है। एक खबर के मुताबिक इक्विटी निवेशक भारत की एफएमसीजी कंपनियों से मुंह मोड़ रहे हैं। यानी उन्हें नहीं लगता कि इन कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में स्वस्थ बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ोतरी का संबंध आम जन की आमदनी और उपभोग से है, जबकि आमदनी बढ़ने की गुंजाइशें सिकुड़ रही हैं।

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। भारत की श्रम शक्ति में 56 फीसदी हिस्सा स्वरोजगार कर्मियों का है। जनवरी- दिसबंर 2025 की अवधि में ऐसे कर्मियों को उपलब्ध काम के घंटों में सबसे बड़ी गिरावट आई। जुलाई 2018 से जून 2019 के बीच ऐसे कर्मियों को हफ्ते में औसतन 46.6 घंटे का काम मिल जाता था। मगर पिछले वर्ष ये औसत 39.6 घंटे प्रतिशत रहा। दिहाड़ी और वेतनभोगी कर्मियों के कामकाजी घंटे क्रमशः 43.1 और 50.2 से घटकर 41.2 और 48.8 घंटे रह गए। स्पष्टतः इन सबकी औसत आमदनी घटी। नई परिभाषा के तहत घरेलू कार्य में मददगार परिजनों को भी कामकाजी माना जाता है।

गांवों में ज्यादातर महिलाएं इस दायरे में आती हैं। उनके कामकाजी घंटे 2018-19 के 38.2 घंटों की तुलना में पिछले साल 32.6 घंटे रह गए। नतीजतन, शहरों की तरफ पलायन के रूप में हुआ है, जबकि वहां भी अवसर घटे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है। अतः कंपनियों में उनसे न्यूनतम वेतन पर 12 घंटों तक काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद जब रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो नोएडा जैसे हालात बनते हैं। इस कारण मांग और उपभोग भी गिरता है, तो कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है। भारत में ये दुश्चक्र गंभीर होता जा रहा है।

ब्लॉग

भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन, उत्थान और पतन की अकथ-कथा

डॉ. सुधीर सक्सेना

शुरूआत सचमुच शानदार थी। भारत ब्रिटेन का उपनिवेश था; दमन, शोषण और दीनता का शिकार दास राष्ट्र। महात्मा गांधी विश्व-इतिहास के अलीक-योद्धा के तौर पर परिदृश्य में उभर रहे थे। सारा राष्ट्र आजादी के लिये व्यग्र था। ऐसे में एक नये वैचारिक-आंदोलन ने भारत में प्रवेश किया और सर्वथा अलहदा मिजाज की एक पार्टी ने भारत में जन्म लिया। इसमें केन्द्रीय और अग्रणी भूमिका थी एमएन राय यानि मानवेंद्र नाथ राय की, जिन्हें सोवियत संघ जैसे विशाल राष्ट्र के सर्वेसर्वा बलादिमीर इलिच लेनिन का संग-साथ और विश्वास हासिल था। हुआ यह कि 17 अक्टूबर, सन 1920 को पामीर पार ताशकंद में कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की दूसरी कांग्रेस की बैठक हुई और इसने भारत में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की पूर्वपीठिका रच दी। विचार मंथन और सांगठनिक प्रयासों के बाद अंततः 25 दिसंबर, सन 1925 को भारत के मैनचेस्टर कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ। इसके शुरूआती नेताओं में एमएन राय के अलावा अबनि मुखर्जी, मोहम्मद अली और शफीक सिद्दिकी प्रमुख थे।

25 दिसंबर, सन 2025 से काल गणना करें तो भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की एक सदी पूरी हो चुकी है। इस मान से यदि एक शती के वृत्तांत यानि कम्युनिस्ट आंदोलन के हश्र को बांचें तो बहुत दिलचस्प चटख और धूमिल रंगों का कोलाज उभरता है। बालीवुड की फिल्म की तर्ज पर हम इसे राइज एण्ड फाल आफ कम्युनिस्ट मूवमेंट- कम्युनिस्ट आंदोलन का उत्थान और पतन भी कह सकते हैं। इस वृत्तांत में लंबे रक्तिम संघर्ष हैं और गर्वीली सफलतायें भी। वहां विफलतायें हैं और बिखराव भी। वहां विमर्श है और विभ्रम भी। संघर्ष, निष्ठा, समर्पण, बलिदान और अनेक महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद इसकी अंततः शोकांतिका में परिणिति विस्मयकारी है, जो बहुतों को शोकाकुल करती है, तो बहुतों को हर्षित भी। क्या वजह है कि ऐसा हुआ? क्या ऐसा होना वृहत्तर समाज के स्वास्थ्य और भविष्य के लिहाज से सुखद है अथवा इसे विडंबना या त्रासदी माना जाये।

विश्व कम्युनिस्ट आंदोलन और भारत के रिश्तों से शुरू करें तो कई अहम निष्कर्ष निकलते हैं। आंदोलन के प्रणेता कार्ल मार्क्स पहले मनीषी हैं, जिसने सन 1857 के अंग्रेजों द्वारा प्रचारित गदर को स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। मार्क्स की भारत के इतिहास में गहरी रूचि थी और वह भारत की आजादी के हिमायती थे। इसमें कोई शक नहीं कि बीसवीं सदी विश्व स्तर पर वाम विचारों की सदी थी और इसने सभी महाद्वीपों में करोड़ों लोगों को वैचारिक तौर पर प्रभावित और आंदोलित किया। श्रमिकों, लेखकों और कलाकारों पर इसका प्रभाव अभूतपूर्व था। श्रम की महत्ता और गरिमा का पाठ प्रस्तुत कर इसने अनेक देशों में कू-दे-ता (तख्तापलट) की स्थितियां पैदा कीं; साहित्य कला और संस्कृति में नये आंदोलन उपजाये, पूंजीवादी-ईमान को डगमग किया, श्रमिकों के लिए बेहतर वातावरण सृजित किया, पारंपरिक रूढ़ियों के प्रति असंतोष उपजाया, उपनिवेशवाद के खिलाफ अलख जगाई और युवा वर्ग की आंखों में नये सपने आंजे। उसने गैर-बराबरी के खिलाफ बराबरी, शोषण के खिलाफ मुक्ति और दासता के खिलाफ स्वतंत्रता की हिमायत की। यह विश्व इतिहास में परंपरा और रूढ़ियों के खिलाफ विचलन और हस्तक्षेप का सर्वथा भिन्न और अपूर्व उपक्रम था। हम स्तालिन, गोर्की, चेखव, माओ, होची मिन्ह, चेग्वेरा, कास्त्रो, नाजिम, हिकमत, फैज, रेजिस द ब्रे, चार्ली चैप्लिन आदि की बात न कर यदि भारतीय परिदृश्य पर भी दृष्टिपात करें तो बड़े और सितारा नेताओं, कवियों, कलाकारों, दार्शनिकों और कार्यकर्ताओं में कौन है, जिसे सोवियत क्रांति अथवा साम्यवादी विचारों व आंदोलनों ने प्रभावित नहीं किया? पं. नेहरू से लेकर भगत सिंह तक, रबींद्रनाथ ठाकुर से लेकर प्रेमचंद तक, राजकपूर से लेकर बलराज साहनी तक, माखनलाल चतुर्वेदी से लेकर गणेश शंकर विद्यार्थी तक नामों की एक अछोर कतार है, जिन्हें साम्यवादी विचारों ने आलोड़ित किया। शहीदे आजम भगत सिंह तो फांसी के तख्ते की ओर जाने से कुछ क्षण पहले तक लेनिन की जीवनी पढ़ रहे थे....

और लेनिन? लेनिन तब नहीं थे, लेकिन बड़ी बात यह है कि लेनिन क्या थे? लेनिन भारत से गेहरे प्रेम में डूबी हुई - महान क्रांतिकारी शख्सियत थे। उन्होंने बंगाल विभाजन के विरोध में लिखा, जालियांवाला कांड की निंदा की, तिलक को मांडले जेल भेजन का विरोध किया, महात्मा गांधी की अगुवाई में आजादी की लड़ाई का समर्थन किया, भारत में अकाल पर अंग्रेज-नीतियों की निंदा की और भगत सिंह जैसे महान क्रांतिकारी समेत सैकड़ों युवकों के विचारों को प्रज्वलित किया।

निश्चित ही, लेनिन अपने प्रति भारतवासियों के बेहतर सोच और सलूक के हकदार हैं। बाद के दौर को देखें तो भी सोवियत और फिर रूस के शासक और जन भारत के प्रति प्रेम, सम्मान और सदिच्छा रखते हैं। चाहे बुल्गानिन, ब्रेभनेव, खुश्चेव और कोसीगिन रहे हों या फिर पुतिन। बावजूद इन संदर्भों के भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन बिखरता गया। उन्होंने यत्नपूर्वक ट्रेड यूनियनों को संगठित किया, इंडियन कॉफी हाऊस जैसे दर्जनों संस्थाओं के हेतु बने, सन 1957 में केरल में पहली निर्वाचित सरकार का गठन हुआ, पश्चिम बंगाल में कई दहाइयां उनके लाल झंडे के तले बीतीं, देवेगौड़ा और गुजराल की केन्द्रीय सरकारों में उनकी भागीदारी रही, साहित्य और कला के लोक में उनकी केंद्रीय इयत्ता रही, लेकिन मोटे तौर पर बीती पाव सदी में भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन का शीराजा बिखरता गया। क्यों?

भारत में कम्युनिस्टों का इतिहास आंदोलनों का इतिहास है। आंदोलन यानि संघर्ष। संघर्ष यानि विचलन। विचलन यानि मौजूदा स्वरूप, मौजूदा ढांचे मौजूदा समीकरणों के स्थान पर नया स्वरूप, नया ढांचा, नये समीकरण। यानि परिवर्तन। यथास्थिति नहीं, बदलाव। जड़त्व नहीं गतिज। नयी वैचारिकी। नया उन्मेष। अब पंरपरा के सन्दर्भ में इन परिवर्तनों की भूमिका पर गौर करें। एक बंद रूढ़ग्रिस्त समाज में ग्लासनोस्त (खुलापन) और पिरिस्त्रोइका (पुनर्रचना) की जरूरत, उसके प्रति पारंपरिक सोच और तज्जन्य प्रतिकार पर तवज्जो दें। हश्र के वजूहात स्पष्ट हैं। जहां परिवर्तन के बजाय परंपरा श्रेष्ठ और श्रेयस्कर हो, वहां आप कब तक और कहां तक जूझेंगे? संघर्ष जब थकता है, तो सुविधा मांगता है। हर कौम, नस्ल और समाज का अपना डीएनए होता है। भारत में कम्युनिस्ट विचारधारा को 'देशी बागीचे में विदेशी बेल' या विजातीय प्रजाति माना गया। रूपक गढ़ा गया कि जब मस्क्वा में बारिश होती है तो भारत में कम्युनिस्ट अपनी छतरियां खोल लेते हैं। यह नैरेटिव भी पनपा कि भारतीय कम्युनिस्टों का रिमोट कंट्रोल मस्क्वा और बीजिंग के हाथों में है। भारत में कम्युनिस्टों की विफलता का एक बड़ा मुद्दा उनकी धार्मिक सोच भी रहा। एक धर्मप्राण राष्ट्र में धर्म को अफीम बताना लोगों के गले नहीं उतरा। यह बात भी घर-घर फैलाई गई कि कम्युनिस्ट राज में तो सब कुछ सरकारी है। नौकरी भी और बच्चे भी। कम्युनिस्ट आयेंगे तो मंदिर बंद हो जायेंगे और बच्चों को सरकार छीन लेगी। और आपकी संपत्ति भी आपकी नहीं होगी। स्पष्ट है कि ये 'नैरेटिव' काम कर गये। एक धर्मप्राण आस्था से परंपराजीवी महादेश में परिवर्तन के ध्वजवाहक सफलता की पताकायें कहां फहराते? मेरा निजी अनुभव है कि परंपरा पोषक कर्मकाण्डी घरों में 'साला कम्युनिस्ट' गाली की तरह इस्तेमाल होने लगा। भारतीय समाज में वैसे भी तर्क के लिये कम ठौर रहा है। कम्युनिस्टों की गलती रही या मूर्खता कि वे साम्यवादी सोच या विचारधारा को भारतीय या देशज शब्दावली और सांचे में नहीं ढाल सके और कई बार उन्होंने राष्ट्रीय परिस्थितियों को नजरंदाज कर तदनुरूप निर्णय लेने के बजाय 'ऊपरी' निर्देश पर फैसले किये। वे बूर्ज्वा, वर्ग संघर्ष, सर्वहारा की आयातित शब्दावली में उलझे रहे। नतीजतन उनका दायरा सीमित रहा। वे अंदरूनी इलाकों या वृहत्तर भूभाग में जमीन नहीं गोड़ सके।

ऐसा नहीं है कि भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की पंजी में चमकीली घटनाएं या चेहरे नहीं हैं। आज की दलदली राजनीति में कम्युनिस्ट नेता ही हैं, जो भ्रष्टाचार के आरोपों से कभी नहीं बिंधे। ज्योति बसु का प्रधानमंत्री बनने से इंकार भारतीय राजनीति की विरल घटना है। भारत में जब भी आंदोलनों का इतिहास लिखा जायेगा, तेभागा और तेलंगाना आंदोलन, नलगोंडा, वारंगल और खम्मम का कर्ज माफी आंदोलन, नक्सलबाड़ी संघर्ष का भी जिक्र होगा। इसी विचार ने हमें इंकलाब जिंदाबाद, दुनिया के मजदूरों एक हो, हर जोर जुलम की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, रोटी कपड़ा लेकर रहेंगे जैसे नारे दिये। इसी ने हमें हम होंगे कामयाब और वो सुबह कभी तो आयेगी जैसे गीत और साहिर और शैलेन्द्र जैसे अनेक बड़े गीतकार दिये। इसी ने पत्रकारों को श्रमजीवी के खाने में वर्गीकृत किया। कम्युनिस्टों ने हमें नंबूदरीपाद, बीटी रणदिवे, एके गोपालन, श्रीपाद अमृत डांगे, पीसी जोशी, अजय घोष, हरकिशन सुरजीत, ज्योति बसु, अच्युत मेनन, इंद्रजीत गुप्त, प्रकाश कारंत, वृंदा करात, जैसे बेदाग चेहरे दिये। मगर आज कम्युनिस्ट पार्टियों का फलक बेनूर है। वह बार-बार विघटन और विभाजन की भी शिकार रही। कांग्रेस ने उसे पोसा भी और ग्रसा भी। कम्युनिस्ट पश्चिम बंगाल तो पहले ही गँवा चुके थे, चार मई को उनका केरल का अंतिम लाल किला भी ढह गया। भारत नक्सलमुक्त हो चुका है। एक शती के बाद के पहले वर्ष में उनका यह हश्र भारतीय राजनीति का काबिलेगौर अध्याय और पाठ है, लेकिन चीजें लौटती हैं। नये-नये रंग रूपों में। और फिर विचार मरा नहीं करते। वे फीनिक्स पक्षियों की मानिंद होते हैं। परंतु इतिहासजन्य ताजा सच यही है कि कम्युनिस्ट विचारधारा के लिए भारत की माटी तो मुफीद थी, लेकिन आबोहवा अनुकूल नहीं बैठी।

लखीमपुर खीरी में हाईवे पर मौत का तांडव, ट्रक और टाटा मैजिक की आमने-सामने भिड़ंत, 10 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में नेशनल हाईवे-730 (NH-730) पर एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। ईसानगर थाना क्षेत्र के ऊंचगांव भरेहटा के बीच एक बेकाबू ट्रक और टाटा मैजिक वाहन में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई।

यह टक्कर इतनी भयानक थी कि मैजिक में सवार करीब 10 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 2 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि मैजिक सवार लखीमपुर से सिसैया जा रहे थे, तभी बहराइच की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे सामने से टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया, घायल जिला अस्पताल रेफर

खमरिया के सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया- ट्रक (UP 14 HT 5176) बरेली के नगला फरीदपुर निवासी शेर सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। शेर सिंह ट्रक के दूसरे ओनर हैं। ट्रक पर गाजियाबाद की नंबर प्लेट है। ट्रक में धान की पॉलिश की बोरियां लदी हुई हैं। ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। वहीं, सीएचसी खमरिया के अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया- हादसे के बाद 2 महिलाओं और 7 पुरुषों के शव यहां लाए गए थे। कई बॉडी बुरी तरह कुचल गई थी। एक गंभीर घायल पुरुष को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई।

गांव के प्रधान बोले- ओवरटेक के चक्कर में हादसा

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी नया गांव के प्रधान प्रदीप वर्मा ने बताया- मैजिक की हालत देखकर लग रहा है कि चालक ने ओवरटेक किया होगा। तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से जा टकराया। हादसे के बाद मैजिक में सवार 9 लोगों की अंदर ही जान चली गई। जबकि एक युवक तड़प रहा था। किसी तरह गेट तोड़कर लोगों ने उसे बाहर निकाला। उसे एंबुलेंस से भेजा गया।

9 मृतकों की पहचान हुई, एक की पहचान बाकी

हादसे में जान गंवाने वाले 10 लोगों में 9 की पहचान हो गई है। इनमें दो सगे भाई पवन (23) और सोहन (21) शामिल हैं। बहराइच के मूर्तिहा गांव के रहने वाले थे। इसके अलावा अदनान (15) निवासी सिसैया गांव धौरहरा-खीरी की भी जान चली गई। पप्पू (18) निवासी देवदत्तपुर थाना खैरी घाट (बहराइच), शहजाद (35) निवासी ककरहा मूर्तिहा (बहराइच) और जुलेखा (55) निवासी धौरहरा (खीरी) की भी मौत हो गई। एक मृतक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

देर रात एसपी ने सतर्कता और सुरक्षा इंतजामों का किया औचक निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले की कानून व्यवस्था को चुस्त रखने और आमजन को सुरक्षित माहौल देने के लिए पुलिस अधीक्षक चारू निगम देर रात अचानक सड़कों पर उतर आईं। आधी रात में उन्होंने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पहुंचकर डायल 112 की कार्यप्रणाली, पुलिसकर्मियों की सतर्कता और सुरक्षा इंतजामों का औचक निरीक्षण किया। एसपी के अचानक निरीक्षण से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। चारू निगम ने मौके पर पहुंचकर डायल 112 वाहनों की स्थिति, पुलिस कर्मियों की मौजूदगी और घटनाओं पर रिस्पॉन्स टाइम की बारीकी से जांच की। उन्होंने पुलिसकर्मियों से पूछा कि सूचना मिलने के कितने समय के भीतर टीम घटनास्थल तक पहुंचती है। निरीक्षण के दौरान कई जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए गए। जब पूरा शहर गहरी नींद में था, तब पुलिस कप्तान खुद सड़क पर रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रही थीं। उनका साफ संदेश था कि जनता की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बेहतर पुलिसिंग और सख्त प्रशासनिक कार्यशैली के लिए चर्चित चारू निगम का यही अंदाज अब सुल्तानपुर में भी दिखाई देने लगा है। आम लोगों के बीच उनकी सक्रियता और निगरानी की चर्चा जोरों पर है। लोगों का कहना है कि कप्तान की लगातार मॉनिटरिंग से पुलिस व्यवस्था पहले से ज्यादा सक्रिय नजर आ रही है।

कानपुर जेल में जुड़वा बेटियों के हत्यारे पिता ने किया सुसाइड का प्रयास, धारदार हथियार से रेता अपना गला

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। यूपी के कानपुर में अपनी ही दो मासूम जुड़वा बेटियों की बेरहमी से हत्या करने के आरोपी पिता दवा व्यापारी शशि रंजन मिश्रा ने रविवार को कानपुर जिला जेल में आत्महत्या करने का प्रयास किया। आरोपी ने बैरक के बाथरूम में धारदार की गई लोहे की थाली से अपनी गर्दन रेत ली। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

जानकारी के मुताबिक, जब आरोपी बाथरूम में तड़प रहा था, तभी अन्य बंदियों की नजर उस पर पड़ी। बंदियों के शोर मचाने पर जेलकर्मी मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में उसे उर्सला अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल आरोपी की हालत खतरे से बाहर है।

जेल अधीक्षक ने बताया कि आरोपी शशि रंजन मिश्रा काफी समय से बैरक में मिलने वाली लोहे की थाली को जमीन पर रगड़कर पैना कर रहा था। उसने सफाई के बहाने थाली को धीरे-धीरे धारदार हथियार में बदल दिया। रविवार दोपहर वह उसी धारदार थाली को लेकर बाथरूम गया और अपनी गर्दन पर वार कर लिया।

डिप्रेशन में था आरोपी

अस्पताल में होश आने के बाद आरोपी ने दावा किया कि वह लंबे समय से डिप्रेशन का मरीज है और जेल में उसका इलाज नहीं चल रहा था। आरोपी ने बताया कि उसे ऐसा महसूस हो रहा था कि उसके सिर में आवाजें आ रही हैं और कई लोग उसे घेर रहे हैं। उसने कहा कि डिप्रेशन के दौरे में उसे कुछ समझ नहीं आया।

कब हुई थी घटना?

किदवई नगर स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में रहने वाले दवा व्यापारी शशि रंजन मिश्रा ने 19 अप्रैल की रात अपनी 11 वर्षीय जुड़वा बेटियों की गर्दन रेतकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद उसने खुद पुलिस को फोन कर सरेंडर कर दिया था। तभी से वह जेल में बंद है।

मां काली मंदिर परिसर में अवैध कब्जे का प्रयास

जौनपुर। केराकत तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत भड़ेहरी में एक प्राचीन मंदिर परिसर पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। गांव के बीचो-बीच स्थित प्राचीन मां काली मंदिर के परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सोमवार को ग्रामीणों ने इस संबंध में चैकी प्रभारी को एक सामूहिक शिकायती पत्र सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। चैकी प्रभारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव का ही एक व्यक्ति, बदरुद्दीन मंदिर परिसर से सटी जमीन पर ईंट, गाटर, पटिया, पत्थर और मलबा आदि निर्माण सामग्री इकट्ठा कर अवैध कब्जा कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और जबरन मंदिर की भूमि को अपने कब्जे में लेना चाहता है। शिकायत पत्र में ग्रामीणों ने उल्लेख किया है कि इस अवैध अतिक्रमण के प्रयास के कारण गांव की महिलाओं और पुरुषों को मंदिर में पूजा-पाठ और दर्शन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

'50 लाख कैश और फॉर्च्यूनर...' ग्रेटर नोएडा में दीपिका की मौत बनी पहेली ; मायकेवालों का आरोप– दहेज के लिए बेटी को छत से फेंका

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के जलपुरा गांव में एक शादीशुदा महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायकेवालों का आरोप है कि दहेज के लिए बेटी की कथित हत्या कर दी गई। बेटी को छत से फेंककर मर्डर किया गया है। वहीं, इस मामले में ये भी कहा जा रहा है कि महिला ने खुद ही छत से कूदकर जान दी है। पुलिस ने पति और ससुर को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान दीपिका के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब 14 महीने पहले ग्रेटर नोएडा के जलपुरा गांव निवासी ऋतिक के साथ धूमधाम से हुई थी। दीपिका के पिता संजय नगर, जो कुड़ी खेड़ा गांव के रहने वाले हैं, उन्होंने बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में बेहद तेज थी और उसने बीए तथा बीएड की पढ़ाई पूरी की थी। परिवार ने बड़े अरमानों के साथ उसकी शादी की थी और इसमें करीब एक करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

50 लाख कैश और फॉर्च्यूनर की डिमांड

परिजनों का आरोप है कि शादी में स्कॉर्पियो गाड़ी, करीब 50 लाख रुपये का सोना और अन्य घरेलू सामान दहेज में दिया गया था। इसके बावजूद ससुराल पक्ष की मांगें खत्म नहीं हुईं। परिवार का कहना है कि शादी के कुछ महीने बाद ही दीपिका पर फॉर्च्यूनर गाड़ी और 50 लाख रुपये नकद लाने का दबाव बनाया जाने लगा। मांग पूरी नहीं होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

मायके वालों के मुताबिक दीपिका कई बार फोन पर अपनी परेशानी साझा कर चुकी थी। उसने बताया था कि ससुराल वाले लगातार उसे ताने देते हैं और दहेज की मांग को लेकर दबाव बनाते हैं। परिवार ने कई बार समझौते की कोशिश भी की, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

17 मई को अचानक दीपिका की मौत की खबर उसके मायके पहुंची। सूचना मिलते ही परिवार के लोग जलपुरा गांव पहुंचे, जहां बेटी की मौत की खबर सुनकर कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि लगातार प्रताड़ना और दहेज की मांग ने उनकी बेटी की जान ले ली।

पुलिस की गिरफ्त में पति-ससुर

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मृतका के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति ऋतिक और ससुर मनोज प्रधान को गिरफ्तार कर लिया है। सेंट्रल नोएडा के डीसीपी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सपा प्रवक्ता भाटी के बिगड़े बोल पर ब्राह्मणों में उबाल, कुड़वार में फूंका पुतला

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राज कुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर की गई कथित टिप्पणी के विरोध में सोमवार को जिले के कुड़वार कस्बे में परशुराम युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला संयोजक उदय प्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सपा प्रवक्ता का पुतला फूंककर विरोध जताया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन कुड़वार थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव को सौंपते हुए मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जिला संयोजक उदय प्रकाश मिश्रा ने कहा कि किसी भी समाज के सम्मान के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली है और समाज की भावनाओं को आहत करती है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान रमेश तिवारी, श्रवण कुमार मिश्रा, अनंत भूषण पांडेय, गिरीश मिश्रा, धर्मेंद्र तिवारी, विजय तिवारी, सनी दूबे, घनश्याम पांडेय, हरीश शर्मा, सोनू उपाध्याय, सचिन पांडेय, सुधीर सिंह, अनिल चौहान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दौड़ीं यूपी रोडवेज की बसें : मात्र 839 में प्रयागराज से मेरठ का सफर

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के यात्रियों के लिए सफर को और आसान बनाते हुए यूपी रोडवेज (UPSRTC) ने एक बड़ा कदम उठाया है। रोडवेज ने अब शानदार गंगा एक्सप्रेसवे को भी अपने रूट में शामिल कर लिया है और इस मार्ग पर सरकारी बसों का संचालन आज से शुरू हो गया है। फिलहाल, इस सेवा की शुरुआत प्रयागराज से मेरठ के बीच की गई है, जिसका किराया बेहद किफायती रखा गया है। इस नई बस सेवा से मेरठ, हापुड़, नोएडा और गाजियाबाद से प्रयागराज आने-जाने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलने वाली है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर बसों को सुचारू रूप से चलाने का जिम्मा प्रयागराज रीजन के लीडर रोड डिपो को सौंपा गया है। इस डिपो से आज सुबह 10 बजे पहली बस को मेरठ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। चूंकि यह बस एक बार में 600 किलोमीटर से अधिक की लंबी दूरी तय करेगी, इसलिए यात्रियों के आराम का पूरा ध्यान रखा गया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने सफर के दौरान बस के अंदर ठंडे पानी के केन रखवाने की व्यवस्था की है। इसके साथ ही एक्सप्रेसवे पर जगह-जगह स्टॉपेज तय किए गए हैं, जहाँ यात्री उतरकर जलपान और नाश्ता कर सकेंगे।

कितना तय हुआ है किराया?

रोडवेज अधिकारियों के मुताबिक, वर्तमान में यह बस सेवा सिर्फ प्रयागराज और मेरठ के बीच शुरू हुई है, इसलिए अभी केवल इसी रूट का किराया फाइनल किया गया है। प्रयागराज से मेरठ का किराया मात्र 839 रुपये है।

नोएडा-गाजियाबाद का किराया कब?

अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस एक्सप्रेसवे रूट पर नोएडा और गाजियाबाद को भी जोड़ दिया जाएगा। इसके बाद इन शहरों के लिए भी किराए की लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

नोएडा और गाजियाबाद जाने वालों के लिए अभी क्या है विकल्प?

यदि आप प्रयागराज से नोएडा या गाजियाबाद जाना चाहते हैं, तो फिलहाल आपके पास ये तीन बेहतरीन विकल्प मौजूद हैं। यात्री इस बस से सीधे मेरठ पहुंच सकते हैं और वहां से नोएडा-गाजियाबाद के लिए दूसरी लोकल बस पकड़ सकते हैं। मेरठ पहुंचने के बाद यात्री गाजियाबाद और दिल्ली (आनंद विहार) जाने के लिए हाई-स्पीड नमो भारत ट्रेन का विकल्प भी चुन सकते हैं। यात्री हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में उतरकर भी नोएडा और गाजियाबाद के लिए आसानी से बसें ले सकते हैं।

यूपी रोडवेज जल्द ही प्रयागराज से सीधे गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे (ISBT) के लिए सीधी बसें चलाने की तैयारी कर रहा है, जिससे यात्रियों का समय और पैसा दोनों बचेगा।

संघर्ष संकल्प दिवस पर बीएन सिंह को दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के जनपद अध्यक्ष सीबी सिंह की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय पर कर्मचारी, पेंशनर्स एवं शिक्षक हितो के लिए आजीवन संघर्षरत रहे स्व. बी. एन. सिंह को श्रध्दा सुमन अर्पित कर ,सत्ताइसवी पुण्य तिथि को संघर्ष संकल्प दिवस के रुप मे मनायी गयी। सभा को संबोधित करते हुए जनपद अध्यक्ष सीबी सिंह ने स्व. बी. एन. सिंह के संघर्ष को याद करते हुए केन्द्र सरकार के समान राज्य सरकार के कर्मचारी, पेंशनर्स को महगाई एवं बेतन की समानता दिलाने के लिए किए गए आन्दोलन के साथ ही वर्ष 1994-95 मे पद के दो प्रोन्नत बेतन मान को सरकार से मनवाने के लिए किए गए 51दिन के हड़ताल का स्मरण करते हुए ,वर्तमान केंद्र सरकार के गठित वेतन आयोग के संकल्प पत्र मे पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित किए जाने तक संघर्ष संकल्प दिवस के रूप मे लेते हुए संघर्ष का संकल्प व्यक्त कर श्रध्दासुमन अर्पित किए। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष डाक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि वे कर्मचारी शिक्षक पेंशनर्स के हितो के लिए अनवरत संघर्ष कर जो हक दिलवाया था,उसे सरकार धीरे धीरे बन्द कर रही है।शेषनाथ सिंह, राम अवध यादव, नन्दलाल सरोज, कृष्ण कुमार तिवारी,पलकधारी मौर्य, कंचन सिंह, श्याम बिहारी सिंह, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मन्त्री देवेश कुमार यादव,मिठाई लाल, भानुप्रतापश्रीवास्तव, संम्प्रेक्षक राम आश्रय रजक, ओमप्रकाश यादव , राजेन्द्र प्रसाद सिंह, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव शारदा प्रसाद श्रीवास्तव, लाल जी शुक्ला गजराज मौर्य आदि ने श्रध्दासुमन अर्पित करते हुए पेंशनर्स हितो के लिए संघर्ष का संकल्प व्यक्त किया।

9 साल पहले पत्नी ने की थी ऐसी हरकत, जिससे गोरखपुर के इंजीनियर प्रद्युम्न को हर दिन दिखती थी मौत... सुसाइड से पहले के सितम की दास्तां

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में कुछ दिन पहले कुसम्ही जंगल में इंजीनियर प्रद्युम्न यादव ने पेड़ से फंदा लगा सुसाइड कर लिया था। इस मामले में गोरखपुर की एम्स पुलिस ने उसकी पत्नी अर्पित यादव उर्फ उषा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे रविवार को हिरासत में लेने के बाद शाम को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। 14 मई की शाम को कुसम्ही जंगल स्थित बुढ़िया माई मंदिर में दर्शन और पूजा करने के बाद प्रद्युम्न यादव ने कुसम्ही जंगल में पेड़ से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या करने से पहले इंजीनियर प्रद्युम्न यादव ने मोबाइल फोन से वीडियो बनाकर अपनी पीड़ा जाहिर की थी। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराया था। उसने बड़े भाई से माफी मांगते हुए माता-पिता की ध्यान रखने की अपील की थी, वीडियो बनाने के बाद उसने WhatsApp स्टेटस लगाया था।

इस घटना के बाद मृतक इजीनियर प्रद्युम्न यादव के बड़े भाई राघवेंद्र यादव ने गोरखपुर की एम्स थाने में शनिवार को तहरीर देकर भाई की पत्नी अर्पिता सास और ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया था, परिजनों ने बताया कि प्रद्युम्न यादव की शादी करीब 7 वर्ष पहले तुर्कपट्टी क्षेत्र के सोहग गांव की रहने वाली अर्पिता यादव से हुई थी। दोनों की 5 साल की एक बेटी भी है। पति से विवाद होने के बाद वह पिछले तीन सालों से मायके में रह रही है। प्रद्युम्न यादव के परिवार वालों का आरोप है कि इसी वजह से वह मानसिक तनाव में और अवसाद में चल रहा था।

प्रद्युम्न ने वीडियो में क्या कहा था?

पत्नी के साथ विवाद में एक मुकदमा कुशीनगर कोर्ट में चल रहा था। 12 मई को उसकी सुनवाई होनी थी। इसके लिए इंजीनियर प्रद्युम्न मध्य प्रदेश के इंदौर से आता था। इंजीनियर प्रद्युम्न ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया था। उसने उसने कहा है कि "हार गया यार जिंदगी की जंग। बहुत दुख देखे हैं। दुख देने वाला कोई और नहीं, मेरी वाइफ है। सभी लोगों से रिक्वेस्ट है, कोई ये ना बोले कि बेसमय चला गया, मेरे जाने का अभी समय नहीं था। पिछले डेढ़ महीने से मेरे दिमाग में यही चल रहा था। बेटा सुसाइड कर ले, ठीक है। आज वह समय आ गया है। मैं अपने बड़े भाई को एक संदेश देना चाहता हूं कि भाई कभी मां-बाप को ये एहसास मत होने देना कि एक बेटा दुनिया से चला गया। हालांकि, मैं गलती तो कर रहा हूं। हर मां-बाप को लगता है कि बुढ़ापे में बेटा सहारा बनेगा। लेकिन मैं सहारा ना बनकर बहुत दुख दे रहा हूं। मैं इस समय जा रहा हूं तो मुझे पता है कि उन्हें कितनी पीड़ा होगी। लेकिन अपनी पीड़ा के आगे उनकी पीड़ा भूल जा रहा हूं"।

बेटे को खोने पर छलका मां का दर्द

इंजीनियर प्रद्युम्न की मां उसने बोला कि मैं आखिरी बार अपने बेटे से भी नहीं मिल पाई। सीमा ने कहा कि मेरा बेटा अब नहीं रहा। 3 महीने पहले देखा था उसे आखिरी बार। मिल भी नहीं पाई। उन्होंने बताया कि गांव के एक लड़के ने फेसबुक पर उसका वीडियो दिखाया तबसे मुझे चैन नहीं मिला। मां ने कहा कि कैसे भूलूंगी उसे। काश मुझे भी साथ ले जाता।

'दिल्ली में की थी बीवी ने जान लेने की कोशिश'

इंजीनियर प्रद्युम्न यादव कुशीनगर जनपद की नगर पंचायत के स्वामी विवेकानंद नगर के रहने वाले थे। उनकी शादी 9 वर्ष पहले 2 जून 2017 को कुशीनगर के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के सोहाग गांव निवासी हरिशंकर यादव की बेटी अर्पिता यादव से हुई थी। दोनों की 5 वर्ष की बेटी भी है। बताया जा रहा है कि अर्पिता शादी के बाद 3 महीने ससुराल में रही। लेकिन उसके बाद वह मायके चली गई। करीब 4 महीने बाद वह ससुराल आई तो उसे प्रद्युम्न दिल्ली लेकर चला गया। उस समय वो दिल्ली में जॉब करता था। परिजनों के मुताबिक उसकी पत्नी ने दिल्ली में पति का गला दबाकर जान लेने की कोशिश की, जिसके बाद पति ने उसे मायके भेज दिया।

... फिर प्रद्युम्न ने दे दी अपनी जान

मायके जाने के बाद अर्पिता ने पति पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर दिया।इसके अलावा भरण पोषण का मुकदमा भी कर दिया, जिस मामले में सुनवाई चल रही थी। राघवेंद्र के अनुसार, प्रद्युम्न इसी केस के लिए 10 मई को इंदौर से कुशीनगर आया था। कोर्ट में सुनवाई के बाद अगली तारीख 21 जुलाई पड़ी थी, जिसको लेकर प्रद्युम्न तनाव में था। इस केस के लिए वह बार-बार छुट्टी लेकर आता था। बताया जा रहा है कि सुनवाई के बाद वह अपने जीजा के घर चला गया। वहां से उन्हें गोरखपुर जाना था और फिर वहां से उनको ट्रेन पकड़नी थी। कुशीनगर से गोरखपुर आते समय रास्ते में बुढ़िया माई का मंदिर पड़ता है। वो-वहां रुक गया और बुढ़िया माई का दर्शन करने के बाद उसने पेड़ पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड करने के पहले उसने वीडियो बनाकर अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर लगा लिया।

लाठीचार्ज को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

जौनपुर। लखनऊ में अधिवक्ताओं के चैंबरों को बुलडोजर से ध्वस्त करने एवं वकीलों पर लाठी चार्ज करने से आक्रोशित दीवानी न्यायालय के अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार करते हुए अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव व मंत्री रण बहादुर यादव के नेतृत्व में नारेबाजी कर जुलूस निकाल कर कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहां कलेक्ट्रेट के अध्यक्ष घनश्याम सिंह एवं मंत्री मनोज मिश्रा तथा अन्य अधिवक्ताओं के साथ जिलाधिकारी को मांगों का ज्ञापन सौंपा।कहा कि अपने अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण विरोध कर रहे वकीलों पर लाठी चार्ज करवाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण निंदनीय व लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। अधिवक्ता समाज न्यायपालिका का अभिन्न अंग है जो संविधान और कानून की रक्षा में सदैव अग्रणी भूमिका निभाता है। वकीलों पर लाठी चार्ज लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विधि व्यवस्था की गरिमा पर सीधा आघात है। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट अविलंब लागू किया जाए।

देश में हर चौथा व्यक्ति इस साइलेंट किलर का शिकार, 27% लोग अपनी बीमारी से अनजान

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार अनियंत्रित ब्लड प्रेशर दुनियाभर में समय से पहले मौत का एक प्रमुख कारण है। भारत में लगभग हर चौथा वयस्क हाई ब्लड प्रेशर से प्रभावित है, जबकि करीब 27 प्रतिशत लोग अपनी बीमारी से अनजान हैं। ये स्थिति काफी खतरनाक हो सकती है।

खराब लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी, घंटों कुर्सी पर बैठकर काम और बढ़ते तनाव ने कई प्रकार की बीमारियों का खतरा सभी उम्र के लोगों में बढ़ा दिया है। इनमें से कई बीमारियां ऐसी हैं जो बिना कोई खास संकेत दिए शरीर को अंदर ही अंदर नुकसान पहुंचाती रहती है। हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर को स्वास्थ्य विशेषज्ञ ऐसे ही एक साइलेंट किलर के रूप में देखते हैं जिससे सेहत को कई खतरे हो सकते हैं।

हाइपरटेंशन की समस्या हार्ट अटैक से लेकर स्ट्रोक, किडनी से लेकर आंखों तक सभी के लिए खतरनाक हो सकती है। अगर इसे समय रहते कंट्रोल करने के उपाय या जरूरी उपचार न किए जाएं तो इसके जानलेवा जोखिम भी हो सकते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि कई लोगों को लंबे समय तक पता ही नहीं चलता कि उनको हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत है। जब तक बीमारी सामने आती है, तब तक यह शरीर के कई अंगों को नुकसान हो चुका होता है।

हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस समस्या के खतरे को कम करने को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 17 मई विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है। कहीं आपका ब्लड प्रेशर भी तो अक्सर बढ़ा हुआ तो नहीं रहता है?

भारतीयों में बढ़ती साइलेंट किलर बीमारी

आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि दुनिया भर में अनुमानित 1.4 अरब लोग हाई ब्लड प्रेशर को शिकार हैं। ऐसे में वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच करने, बीमारी का जल्द पता लगाने और जीवनशैली में बदलाव करके इस समस्या से बचने की जरूरतों को लेकर लोगों को अलर्ट करता है।

भारत में लगभग हर चौथा वयस्क हाई ब्लड प्रेशर से प्रभावित है।करीब 22 करोड़ लोग इसका शिकार हैं।

सबसे चिंता की बात ये है कि करीब 27 प्रतिशत लोगों को पता ही नहीं है कि उन्हें ये बीमारी हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह सिर्फ बुजुर्गों में ही नहीं अब 30 साल से कम उम्र के युवाओं में भी बढ़ रही है।

लंबे समय तक बैठे रहना, जंक फूड, ज्यादा नमक, धूम्रपान, शराब और नींद की कमी ने इस रोग के जोखिमों को काफी बढ़ा दिया है।

हाई ब्लड प्रेशर करता क्या है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हाई ब्लड प्रेशर धीरे-धीरे शरीर की रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ाता है।

अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर है, तो धमनियों की दीवारों पर खून का दबाव लगातार बहुत ज्यादा बना रहता है।

समय के साथ, यह अतिरिक्त दबाव दिल को रक्त पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करने पर मजबूर करता है।

इससे धमनियों की नाजुक अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचता है।

ब्लड प्रेशर को मिलीमीटर ऑफ मर्करी (mm Hg) में मापा जाता है। आम तौर पर, हाइपरटेंशन का मतलब है 130/80 mm Hg या उससे ज्यादा का ब्लड प्रेशर।

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है उन्हें हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हार्ट फेलियर और किडनी डिजीज जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा कई गुना तक बढ़ सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनियाभर में करोड़ों लोग हाइपरटेंशन से पीड़ित हैं और हर साल लाखों मौतों के पीछे यही बीमारी जिम्मेदार होती है।

लोगों को पता क्यों नहीं चल पाती अपनी बीमारी?

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि भारत में करीब 27% लोगों को पता ही नहीं है कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर है।

हाइपरटेंशन की सबसे बड़ी समस्या यही है कि शुरुआत में इसका कोई स्पष्ट लक्षण नहीं देता।

कई लोगों को लगता है कि जब तक सिर दर्द, चक्कर या कमजोरी महसूस न हो तब तक ब्लड प्रेशर सामान्य है।

नियमित हेल्थ चेकअप न होने से शरीर में छिपी इस समस्या का पता नहीं चल पाता है।

ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुंच भी बड़ी वजह है।

आप कैसे रहें इसे सुरक्षित?

डॉक्टर बताते हैं, ज्यादा नमक वाली चीजें खाना हाइपरटेंशन का बड़ा कारण है। व्यक्ति को रोजाना 5 ग्राम से ज्यादा नमक नहीं खाना चाहिए, लेकिन ज्यादातर लोग इससे कहीं ज्यादा नमक का सेवन करते हैं। पैकेज्ड फूड, चिप्स, सॉस और फास्ट फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसके अलावा तनाव में रहना, मोटापा, नींद की कमी भी आपके खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के लिए जीवनशैली में सुधार सबसे जरूरी है।

नमक का सेवन कम करें। ज्यादा नमक शरीर में पानी रोकता है जिससे रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ता है।

ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और कम फैट वाला भोजन बीपी कंट्रोल करने के साथ दिल के लिए बेहतर माना जाता है।

रोजाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने सहायक हो सकती है।

तनाव कम करने के लिए मेडिटेशन, योग, पर्याप्त नींद और स्क्रीन टाइम कम करना जरूरी माना जाता है।

सिर की खुजली परेशान करती है? इससे ऐसे पाएं छुटकारा

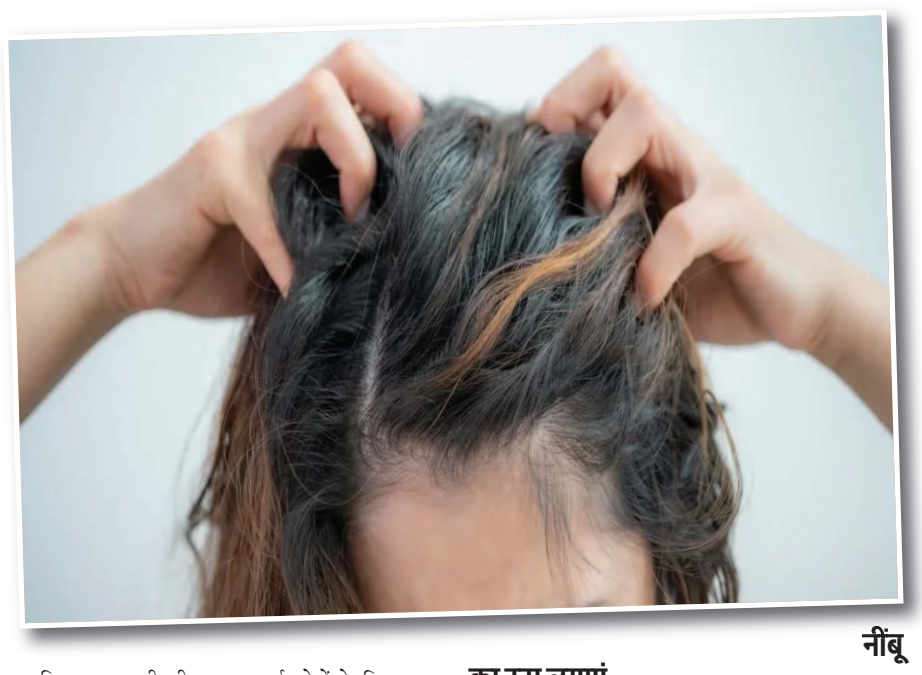

नींबू

सिर पर खुजली की समस्या कई लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। यह समस्या न केवल असुविधाजनक होती है, बल्कि इससे बालों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। यह लेख कुछ सरल और असरदार घरेलू नुस्खों पर आधारित है, जिनका नियमित उपयोग करके आप अपने खुजली वाले स्कैल्प को ठीक कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाकर आप अपने बालों को स्वस्थ और चमकदार बना सकते हैं।

नारियल के तेल का उपयोग करें

नारियल का तेल एक प्राकृतिक नमी देने वाला तत्व है, जो आपके स्कैल्प को नमी प्रदान करता है और खुजली को कम करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए थोड़े से नारियल के तेल को हल्का गर्म करें और इसे अपने सिर की जड़ों में अच्छी तरह लगाएं। 30 मिनट तक मालिश करने के बाद सिर को शैंपू से धो लें। इससे न केवल खुजली कम होगी, बल्कि बाल भी मजबूत और चमकदार बनेंगे।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो खुजली वाले स्कैल्प को आराम पहुंचाते हैं। इसके लिए ताजे एलोवेरा पत्ते से जेल निकालें और इसे अपने सिर पर लगाएं। 15-20 मिनट तक छोड़ने के बाद सिर को हल्के शैंपू से धो लें। इससे आपके स्कैल्प को ठंडक मिलेगी और खुजली से राहत मिलेगी, जिससे बाल भी स्वस्थ रहेंगे। नियमित उपयोग से आपके बाल मजबूत और चमकदार भी बनेंगे।

का रस लगाएं

नींबू का रस विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो स्कैल्प के संक्रमण को दूर करता है और खुजली कम करता है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं और इसे अपने सिर पर लगाएं। 10 मिनट तक छोड़ने के बाद सिर को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपके स्कैल्प को ताजगी मिलेगी और खुजली दूर होगी। नियमित उपयोग से आपके बाल भी मजबूत और चमकदार बनेंगे।

सेब का सिरका लगाएं

सेब का सिरका एक प्राकृतिक तत्व होता है, जो स्कैल्प का संतुलन बनाए रखता है और खुजली को कम करता है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में दो चम्मच सेब का सिरका मिलाएं और इसे अपने सिर पर लगाएं। 5-10 मिनट तक छोड़ने के बाद सिर को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपके स्कैल्प का संतुलन बना रहेगा और खुजली कम होगी। नियमित उपयोग से आपके बाल भी स्वस्थ दिखेंगे।

दही का उपयोग करें

दही में प्रोटीन और लैक्टिक एसिड होते हैं, जो खुजली वाले स्कैल्प के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके लिए एक कप ताजे दही को अच्छे से फेंट लें ताकि उसमें कोई गांठ न रहे, फिर इसे अपने सिर पर लगाएं। 30 मिनट तक छोड़ने के बाद सिर को ठंडे पानी से धो लें। इन घरेलू नुस्खों को नियमित रूप से अपनाकर आप अपने खुजली वाले स्कैल्प को ठीक कर सकते हैं।

क्या आपका स्मार्ट टीवी आपकी बातें सुन रहा है? यहां जानें 'एआई' जासूसी बंद करने की सेटिंग

आज के समय में स्मार्ट टीवी बहुत से लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। ये बात बहुत कम लोगों को मालूम है कि स्मार्ट टीवी आपकी बातें सुन कर उसी हिसाब से आपको विज्ञापन दिखाता है। इसलिए आइए इस लेख में उस सेटिंग को बंद करने की प्रक्रिया जानते हैं, जो टीवी के माइक्रोफोन को हमेशा ऑन रखता है।

आजकल लगभग हर घर में स्मार्ट टीवी का इस्तेमाल हो रहा है, जो हमारे मनोरंजन को आसान बनाता है। स्मार्ट टीवी नाम से ही बहुत स्पष्ट है कि वो स्मार्ट होता है, इसमें स्मार्टफोन से मिलते-जुलते कुछ फीचर भी होते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि आपका यह पसंदीदा टीवी आपकी निजी बातें भी सुन सकता है?

कई बार कंपनियां आपके देखने के तौर-तरीकों और आवाज का डेटा विज्ञापन दिखाने के लिए इकट्ठा करती हैं, जिसे तकनीकी भाषा में 'एआई जासूसी' या प्राइवेसी का उल्लंघन माना जाता है। दरअसल आधुनिक स्मार्ट टीवी में वॉयस असिस्टेंस और 'एआई' फीचर्स होते हैं, जो वॉयस कमांड लेने के लिए बैकग्राउंड में हमेशा एक्टिव रहते हैं। आइए इस लेख में समझते हैं कि आप इसे कैसे बंद कर सकते हैं।

कैसे होती है स्मार्ट टीवी से आपकी जासूसी?

आपने देखा होगा कि रिमोट या टीवी में लगा माइक्रोफोन आपके वॉयस कमांड (जैसे 'हे गूगल' या 'एलेक्सा') का इंतजार करने के लिए हमेशा ऑन रहता है।

टीवी कंपनियां अनजाने में आपसे कुछ प्राइवेसी पॉलिसी पर 'एक्सेप्ट' करवा लेती हैं, जिससे आपका डेटा थर्ड-पार्टी ऐप्स के पास चला जाता है।

इतना ही नहीं आपके टीवी की ऑटोमैटिक कंटेंट रिकग्निशन तकनीक यह ट्रैक करती है कि आप टीवी पर क्या देख रहे हैं, ताकि आपको उसी आधार पर विज्ञापन दिखाए जा सकें।

जासूसी बंद करने की 3 जरूरी सेटिंग्स

सबसे पहले टीवी के रिमोट की मदद से सेटिंग में जाएं और फिर प्राइवेसी या अकाउंट का विकल्प चुनें।

इसके बाद वहां चेक करें कि माइक्रोफोन एक्सेस या वाइस रिकोगनीजेशन एक्टिव है या नहीं।

अगर एक्टिव हो तो उसे तुरंत डिसेबल करें।

इसके बाद दूसरी सेंटिंग ये है कि प्राइवेसी सेटिंग्स में जाकर 'ACR' ढूंढें और इसके टिक मार्क को हटा दें, इससे टीवी ट्रैक करना बंद कर देगा।

अब तीसरी सेटिंग में प्राइवेसी पॉलिसी और नियमों वाले सेक्शन में जाकर 'इंटरेस्ट बेस्ड एडवरटाइजिंग' और 'पर्सनलाइज्ड डाटा' का विकल्प बंद कर दें।

स्मार्ट टीवी से प्राइवेसी बचाने के अन्य उपाय

आपके स्मार्ट टीवी में इन-बिल्ट कैमरा है, तो इस्तेमाल न होने पर उस पर काली टेप या वेबकैम कवर लगा दें।

टीवी में फालतू के ऐप्स डाउनलोड न करें और जिन ऐप्स का इस्तेमाल न हो, उनकी परमिशन को तुरंत ब्लॉक कर दें।

टीवी के ऑपरेटिंग सिस्टम को हमेशा लेटेस्ट वर्जन पर अपडेट रखें, क्योंकि नए अपडेट में बग्स को ठीक किया जाता है।

प्राइवेसी से जुड़ी बुनियादी सावधानियां

अपने स्मार्ट टीवी को हमेशा पासवर्ड से सुरक्षित घरेलू वाई-फाई से ही कनेक्ट करें, किसी खुले या पब्लिक नेटवर्क से नहीं।

टीवी बेचते समय या रिपेयरिंग के लिए देते समय अपने सभी पर्सनल अकाउंट्स (गूगल, नेटफ्लिक्स आदि) को लॉगआउट करना न भूलें।

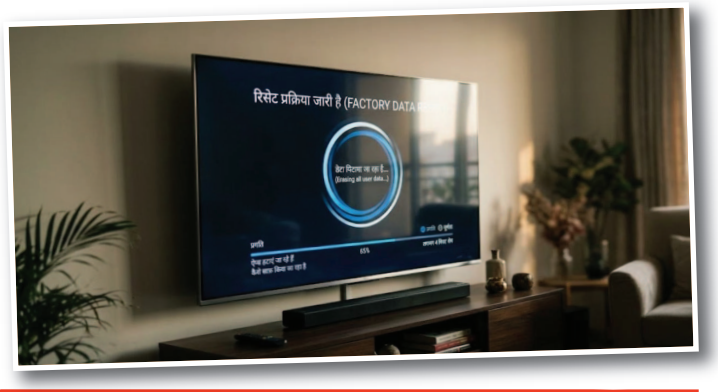

'एआई अब सिर्फ तकनीक नहीं, बना कारोबार का आधार', चंद्रशेखरन बोले– भारत बनेगा नया ग्लोबल हब

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब व्यवसायों के लिए सिर्फ एक अतिरिक्त तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से वैश्विक उद्यमों के लिए बुनियादी ढांचा बनता जा रहा है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में यह बात कही है। एआई के दम पर शानदार वित्तीय नतीजे और नई भर्तियों में वापसी इस बात का संकेत है कि आईटी सेक्टर में बड़े बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। चंद्रशेखरन ने बताया कि टीसीएस ने अपने ह्यूमन+एआई परेटिंग मॉडल के विस्तार में बड़ी सफलता हासिल की है। इस मॉडल के तहत कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर और नई पीढ़ी की सेवाओं (जिसमें क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा शामिल हैं) से 11.5 अरब डॉलर का सालाना राजस्व हासिल किया है। चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि जेनरेटिव और एजेंटिक एआई अब विकास के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं; ग्राहक अब इसके छोटे प्रयोगों (पायलट प्रोजेक्ट्स) से आगे बढ़कर इसे अपने मुख्य कामकाज का स्थायी हिस्सा बना रहे हैं।

भारत बनेगा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का '+1' डेस्टिनेशन

भविष्य की रणनीति पर जोर देते हुए टीसीएस एक सुरक्षित और संप्रभु एआई ढांचा स्थापित करने जा रही है। इसके तहत कंपनी की अहम योजनाएं इस प्रकार हैं:

पहला एआई डेटा सेंटर: कंपनी भारत का पहला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की योजना बना रही है, जिसकी 'रैक डेंसिटी' 160 किलोवाट से अधिक होगी।

इंडस्ट्री-स्पेसिफिक एआई ओएस: उद्योगों के लिए एक विशेष 'एआई ऑपरेटिंग सिस्टम' बनाया जाएगा, ताकि 'एजेंटिक एआई' समाधानों को तेजी से और सुचारू रूप से लागू किया जा सके।

नया रणनीतिक हब: चंद्रशेखरन ने बताया कि बिजली, कंप्यूटिंग क्षमता और जगह की बढ़ती वैश्विक सीमाओं के बीच, भारत दुनिया भर के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक रणनीतिक '+1' डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है।

वित्तीय मजबूती और रोजगार में वापसी

टीसीएस ने अपने वित्तीय वर्ष 2025-26 के शानदार नतीजे भी पेश किए हैं। मुनाफे के बढ़े हुए मार्जिन के कारण मार्च तिमाही (Q4) में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 12.22 प्रतिशत के उछाल के साथ 13,718 करोड़ रुपये हो गया है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी का शुद्ध मुनाफा 1.35 प्रतिशत बढ़कर 49,210 करोड़ रुपये रहा (जो बीते वित्त वर्ष में 48,553 करोड़ रुपये था)। इसके अलावा:

नए सौदे: मार्च तिमाही में कंपनी ने 12 अरब डॉलर के नए सौदे किए, जिनमें सबसे बड़ा हिस्सा उत्तरी अमेरिका (5.4 अरब डॉलर) और बैंकिंग व वित्तीय सेवा (बीएफएसआई) क्षेत्र (2.8 अरब डॉलर) से आया है।

रोजगार में इजाफा: लगातार दो तिमाहियों की गिरावट के बाद, टीसीएस ने Q4 में 2,356 नए कर्मचारियों की भर्ती की है। इससे 31 मार्च 2026 तक कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या 584,519 हो गई है।

सीईओ और प्रबंध निदेशक के. कृतिवासन ने कहा कि इसके शीर्ष 139 ग्राहकों में से 130 ने पहले ही इसे अपने एआई सेवा भागीदार के रूप में चुन लिया है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का लक्ष्य विश्व की सबसे बड़ी एआई-आधारित प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी बनना है। कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे अपने पत्र में कृतिवासन ने लिखा, 'वित्त वर्ष 2026 उद्यम एआई के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था, क्योंकि ग्राहकों ने प्रयोगात्मक पायलटों से बड़े पैमाने पर तैनाती की ओर निर्णायक रूप से कदम बढ़ाया।'

एफडीआई मंजूरी में अब नहीं होगी देरी! मोदी सरकार ने जारी की नई एसओपी, 12 हफ्तों की डेडलाइन तय

सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि एफडीआई आवेदनों पर विचार करने और अंतिम निर्णय लेने की पूरी प्रक्रिया अब अधिकतम 12 हफ्तों के भीतर पूरी करनी होगी। डीपीआईआईटी ने निवेशकों की सुविधा और प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) में बदलाव किए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देना और भारत को विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाना है।

सरकार अब विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) आवेदनों को प्रोसेस करने के लिए अपडेटेड स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के अनुसार, सभी FDI प्रस्तावों को 12 हफ्तों के अंदर मंजूरी देगी। SOP के अनुसार, प्रस्तावों पर फैसला लेने के लिए 12 हफ्तों तक का समय तय किया गया है। इसमें वह समय शामिल नहीं है जो आवेदक प्रस्तावों में कमियों को दूर करने या सक्षम अधिकारी द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी देने में लगाते हैं। सरकार के 2017 के SOP में प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए ज्यादा से ज्यादा 10 हफ्तों का समय तय किया गया था। मौजूदा SOP के अनुसार, डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) को उन प्रस्तावों पर विचार करने के लिए दो अतिरिक्त हफ्ते भी दिए जाएंगे जिन्हें अस्वीकार करने का प्रस्ताव है, या जहां सक्षम अधिकारी द्वारा अतिरिक्त शर्तें लगाने का प्रस्ताव है।

एसओपी का मकसद

DPIIT ने कहा कि इस SOP का मकसद एफडीआईआवेदन जमा करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से पेपरलेस बनाना है। इसलिए, आवेदक को FDI प्रस्तावों को प्रोसेस करने के लिए जरूरी किसी भी दस्तावेज की फिजिकल कॉपी जमा करने की जरूरत नहीं होगी। DPIIT वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का एक हिस्सा है जो एफडीआई से जुड़े मामलों को देखता है। नए एसओपी के अनुसार, सभी आवेदन विदेश मंत्रालय को भेजे जाएंगे ताकि वे उन निवेशों पर अपनी राय/मंजूरी दे सकें जो भारत के साथ जमीनी सीमा शेयर करने वाले देशों से आ रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी भी प्रस्ताव पर जिन मंत्रालयों और विभागों से सलाह ली जाती है – जिनमें RBI, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय शामिल हैं – उन्हें तय समय सीमा के अंदर अपनी राय देनी होगी। अगर तय समय के अंदर राय नहीं मिलती है, तो यह मान लिया जाएगा कि उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है।

हाल में दी थी ढील

एसओपी में भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों (चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान) से आने वाले निवेशों के लिए अलग से दिशा-निर्देश भी शामिल हैं। पिछले महीने, सरकार ने उन विदेशी कंपनियों के लिए एफडीआई नियमों में ढील दी थी जिनकी शेयरहोल्डिंग में चीन/हांगकांग की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक (या गैर-नियंत्रक हिस्सेदारी) है। इससे वे लागू क्षेत्रीय शर्तों और FDI सीमाओं के अधीन, 'ऑटोमैटिक रूट' के तहत भारत में निवेश कर सकेंगी। इसके अलावा, सरकार ने इन सात देशों के निवेशकों को कुछ खास क्षेत्रों/गतिविधियों में तेजी से मंजूरी (60 दिनों के अंदर) देने का फैसला किया है।

इन सेक्टरों में कैपिटल गुड्स मैन्युफैक्चरिंग (बिजली घरों के लिए इंसुलेशन आइटम, कास्टिंग और फोर्जिंग, अलॉय स्टील के बिना जोड़ वाले पाइप और ट्यूब, और मशीन टूल्स जैसे भारी बिजली उद्योग); और इलेक्ट्रॉनिक कैपिटल गुड्स और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग (जैसे प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, इलेक्ट्रॉनिक कैपेसिटर, रेसिस्टर, स्पीकर और ICT उत्पादों के लिए माइक्रोफ़ोन) शामिल हैं। इन सेक्टरों में पॉलीसिलिकॉन वेफर, एडवांस्ड बैटरी कंपोनेंट, रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट, और रेयर अर्थ प्रोसेसिंग भी शामिल हैं।

पोर्टल में जमा कराना होगा

इसके अलावा, इसमें कहा गया है कि जिन प्रस्तावों में कुल विदेशी इक्विटी निवेश 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा होगा, उन पर आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA) फैसला लेगी। जिन आवेदनों के लिए सरकारी मंजूरी जरूरी है, उन्हें Foreign Investment Facilitation/NSWS (National Single Window System) पोर्टल के जरिए ऑनलाइन जमा करना होगा। संबंधित मंत्रालय और विभाग पोर्टल पर प्रस्तावों की जांच करेंगे। प्रस्ताव ऑनलाइन जमा होने के बाद, DPIIT संबंधित मंत्रालय की पहचान करेगा और आवेदन की प्रोसेसिंग और सेटलमेंट के लिए तय समय-सीमा के अंदर उसे सौंप देगा। प्रस्ताव को टिप्पणियों के लिए RBI को ऑनलाइन भेजा जाएगा, और जिन आवेदनों के लिए सुरक्षा मंजूरी जरूरी होगी, उन्हें गृह मंत्रालय को भी भेजा जाएगा।

जमा करना होगा घोषणा पत्र

इसमें आगे कहा गया है कि अगर कोई आवेदक, निवेश पाने वाली कंपनी/निवेशक को दिए गए मंजूरी पत्र को वापस करना चाहता है, तो संबंधित मंत्रालय इसे स्वीकार कर सकता है, बशर्ते आवेदक इसके कारणों को साफ तौर पर बताते हुए एक घोषणा पत्र जमा करे। नई SOP के मुताबिक, MHA, MEA, और किसी भी अन्य संबंधित मंत्रालय/RBI/नियामक द्वारा टिप्पणियां जमा करने की समय-सीमा आठ हफ्ते होगी। इस पर टिप्पणी करते हुए, थिंक टैंक GTRI के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यह SOP एफडीआई मंजूरी की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और पूरी तरह से डिजिटल बनाकर 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने में आसानी) को बेहतर बनाएगी, जिससे तय समय-सीमाओं के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

काफी आसान हो जाएंगी चीजें

उन्होंने कहा कि हालांकि, एजेंसियों के बीच कड़ी जांच-पड़ताल और सुरक्षा जांचों का मतलब है कि नियमों का पालन करना अभी भी मुश्किल बना रहेगा। भारत को इस दिशा में और आगे बढ़ना चाहिए – नियमों को आसान बनाना, नियमों के पालन में आने वाली लागत को कम करना, और व्यापार करने की लागत को घटाना – ताकि मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस्ड सेक्टर्स में हाई-क्वालिटी वाला और लंबे समय तक चलने वाला निवेश आकर्षित किया जा सके।

अप्रैल-फ़रवरी 2025-26 के दौरान, भारत में कुल FDI निवेश 88 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। पिछली SOP 29 जून, 2017 को जारी की गई थी। उसके अनुसार, किसी FDI प्रस्ताव की मंजूरी के लिए अधिकतम 10 सप्ताह की डेडलाइन तय की गई थी। ज्यादातर सेक्टरों में विदेशी निवेश 'ऑटोमैटिक रूट' के तहत मंजूर है। फिलहाल, लगभग 11 सेक्टर्स—जिनमें रक्षा, ब्रॉडकास्टिंग कंटेंट सर्विसेज, प्रिंट मीडिया और बैंक शामिल हैं-में FDI के लिए सरकार की मंजूरी जरूरी है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है', अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे। इस पर चीन की प्रतिबद्धता हमें मिली है और उन्होंने इसकी पुष्टि भी की है।'

ग्रीर ने कहा कि चीन की भी होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में स्पष्ट रुचि है, लेकिन वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चीन की सैन्य मदद नहीं चाहते। अमेरिका बस ये सुनिश्चित करना चाहता है कि चीन, अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों में बाधा न बने।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच टैरिफ को लेकर नहीं हुई कोई बातचीत

पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध जारी रहा, लेकिन ट्रंप ने अमेरिका लौटते समय पत्रकारों से कहा कि उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा नहीं उठा। इस पर ग्रीर ने कहा कि व्यापार वार्ता जरूर हुई, लेकिन शीर्ष नेताओं के स्तर पर नहीं हुई। ग्रीर ने कहा 'अमेरिका की तरफ से मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और हमारी टीम ने चीनी अधिकारियों से टैरिफ के कई मुद्दों पर बातचीत की। इसलिए राष्ट्राध्यक्षों के बीच इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।'

बोर्ड ऑफ ट्रेड बनाने पर हो रहा विचार

ग्रीर ने बताया कि अमेरिका, चीन के साथ व्यापारिक नियम तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' बनाने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने कई अमेरिकी मीट निर्यात इकाइयों से आयात फिर शुरू करने, कुछ बायोटेक व्यापार मामलों की समीक्षा करने और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि चीन ने अभी इन समझौतों की पुष्टि नहीं की है। ग्रीर ने कहा, 'कई ठोस कदम पहले ही शुरू हो चुके हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन के साथ हमारी रणनीतिक स्थिरता बनी हुई है।'

चीन में आया 5 .2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुईं ; दो की मौत, कई लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है।

भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है।

चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा।

भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं

भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का बड़ा ऑपरेशन, 35 आतंकवादी ढेर, तीन सीनियर कमांडर गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में एक बड़े खुफिया अभियान को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 35 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और तीन हाई-प्रोफाइल वरिष्ठ कमांडरों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान मंगला जरघून क्षेत्र में चलाया गया।

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार रात क्वेटा में मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 13 मई को शुरू हुआ था। पिछले चार दिनों में 35 आतंकवादी मारे गए हैं। रिंद ने कहा, यह अभियान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ था। पकड़े गए तीनों कमांडर महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए आतंकवादियों से मिली खुफिया जानकारी पर आधारित थी। सुरक्षा बलों ने मंगला जरघून घर क्षेत्र में कई आतंकवादी बेस कैंप भी नष्ट कर दिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत में अतिरिक्त अभियान भी चल रहे हैं। ये अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य इन आतंकवादी तत्वों के सूत्रधारों को पकड़ना है। साथ ही, उनके संचालकों और वित्तीय समर्थकों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

पिछले सप्ताह भी हुई थी मुठभेड़

पाकिस्तान सेना ने इस नवीनतम आतंकवाद विरोधी अभियान पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 12 मई बुधवार को बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक सफाई अभियान के दौरान पांच सैनिक मारे गए थे। इनमें एक मेजर भी शामिल था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उस अभियान में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए थे।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन में, अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (PHAC) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है।

स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। PHAC ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है। हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई-रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य

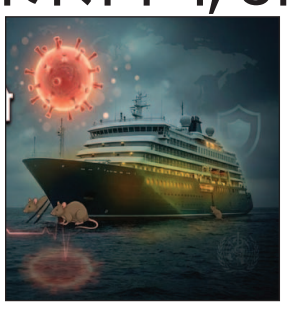

अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है।

MV Hondius क्रूज शिप पर पहले ही हो चुकी हैं 3 मौतें

यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप

इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित MV Hondius अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा। जहाज के अधिकांश क्रू मेंबर्स को छह सप्ताह तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। डच सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रॉटरडैम को शिपिंग से जुड़े संक्रामक रोगों से निपटने के लिए विशेष पोर्ट के रूप में चुना गया है। क्रूज शिप ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन के मुताबिक फिलहाल जहाज पर 27 लोग मौजूद हैं। इनमें 25 क्रू सदस्य और दो मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। जहाज पर मौजूद लोगों में फिलीपींस, नीदरलैंड, यूक्रेन, रूस और पोलैंड के नागरिक शामिल हैं।

क्या है हंता वायरस?

हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर वायरल संक्रमण है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों और कृन्तकों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ शामिल हो सकती है। गंभीर मामलों में यह संक्रमण जानलेवा भी साबित हो सकता है।

बंगाल में केंद्रीय बलों की संख्या में कटौती : 500 कंपनियों से 10000 जवान हटाए गए, समीक्षा के बाद हुआ निर्णय

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की पांच सौ कंपनियों को तैनात किया गया था। गत सप्ताह राज्य के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की गहन समीक्षा की गई है। इसके बाद निर्णय लिया गया कि राज्य से अब केंद्रीय बलों की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाए। पहले चरण में सौ कंपनियों यानी 10 हजार जवानों की पश्चिम बंगाल से वापसी हो गई है। आगामी दिनों में राज्य में बाकी बची केंद्रीय बलों की 400 कंपनियों को विभिन्न चरणों में हटा लिया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी को संदेश भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों 'सीएपीएफ' की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाए। राज्य में चुनाव संपन्न होने के बाद केंद्रीय बलों के सभी जवानों को वहां से नहीं हटाया गया था। पिछली बार चुनाव होने के बाद राज्य के कई भागों में हिंसा की घटनाएं देखने को मिली थी। इस बार वैसी घटनाएं न हों, इसके लिए चुनाव संपन्न होने के बाद भी बंगाल में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 500 कंपनियां तैनात की गई थीं।

सीआरपीएफ व बीएसएफ सहित इन बलों की तैनाती

बंगाल में दोनों चरणों के विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद सीआरपीएफ की 200, बीएसएफ की 150, सीआईएसएफ की 50, आईटीबीपी की 50 और एसएसबी की 50 कंपनियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की ड्यूटी में लगाया गया था। अब राज्य के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की गई है। इसमें पश्चिम बंगाल के गृह विभाग के अलावा केंद्रीय एजेंसियां भी शामिल रही हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर खुफिया एजेंसी से भी विशेष रिपोर्ट मांगी गई थी। समीक्षा बैठक में सामने आया कि चुनाव के बाद अब राज्य में शांति है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं का उग्र प्रदर्शन, ये सब फिलहाल बंद है। पश्चिम बंगाल से लगती बांग्लादेश की सीमा पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। घुसपैठियों पर सीमा सुरक्षा बल की पैनी नजर है।

पहले चरण में सौ कंपनियों की वापसी

केंद्रीय बलों की पांच सौ कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से कम करने का निर्णय लिया गया है। पहले चरण के तहत सौ कंपनियों को बंगाल से हटा लिया गया है। इनमें सीआरपीएफ की 40, बीएसएफ की 30, सीआईएसएफ की 10, आईटीबीपी की 10 और एसएसबी की 10 कंपनियों को बंगाल से वापस बुलाया गया है। 15 मई से ये कंपनियां, कानून व्यवस्था की ड्यूटी पर नहीं रहेंगी। फिलहाल बंगाल में केंद्रीय बलों की चार सौ कंपनियां तैनात रहेंगी।

तेज होगा फैंसिंग लगाने का काम

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के गठन के बाद बीएसएफ को 450 किलोमीटर खुले बॉर्डर पर फैंसिंग लगाने के लिए जमीन अलॉट करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कैबिनेट की पहली बैठक में बीएसएफ को फेंसिंग के लिए जमीन अलॉट करने की घोषणा की है। जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी होगी। राज्य के मुख्य सचिव और भूमि एवं राजस्व सचिव की देखरेख में यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसके तहत पश्चिम बंगाल से लगती बांग्लादेश की सीमा पर 450 किलोमीटर लंबे क्षेत्र को फेंसिंग के जरिए कवर किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत नियम, जेल अपवाद के तहत दी जमानत, नार्को आतंक के आरोप में लगी यूएपीए की धारा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के मामलों में भी 'जमानत नियम है और जेल अपवाद'। शीर्ष अदालत ने जम्मू-कश्मीर के एक व्यक्ति को जमानत दे दी, जो नार्को आतंक मामले में मुकदमे का सामना कर रहा था।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने हैंडवाड़ा निवासी सैयद इफ्तिखार अंद्राबी को राहत दी। अदालत ने अंद्राबी को अपना पासपोर्ट जमा करने और हर पंद्रह दिन में स्थानीय पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया। अंद्राबी पर सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के वित्तपोषण में शामिल होने का आरोप है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 2020 से यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत इस मामले की जांच कर रही है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यूएपीए की धारा 43डी(5) अनिश्चितकालीन कारावास को उचित नहीं ठहरा सकती और इसे अनुच्छेद 21 और 22 के अधीन होना चाहिए।

संवैधानिक सिद्धांत और नजीब मामला

पीठ ने कहा, जमानत नियम और जेल अपवाद का सिद्धांत अनुच्छेद 21 और 22 से निकलने वाला एक संवैधानिक सिद्धांत है, और निर्दोषता की धारणा कानून के शासन द्वारा शासित किसी भी सभ्य समाज की आधारशिला है।

शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केए नजीब मामले में उसका फैसला बाध्यकारी है। निचली अदालतें, उच्च न्यायालय या इस अदालत की निचली पीठें इसे कमजोर नहीं कर सकतीं। केए नजीब मामला 2021 में यूएपीए के तहत जमानत से संबंधित सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। अंद्राबी ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने सेलफोन रिकॉर्ड के आधार पर उसकी जमानत खारिज की थी, जिसमें सीमा पार आतंकी गुर्गों से संपर्क का संकेत था।

शेखर कपूर ने नए जेम्स बॉन्ड के लिए सुझाया इस बॉलीवुड एक्टर का नाम, अभिनेता ने कहा– 'शुरू कर चुका हूं तैयारी'

कौन होगा अगला जेम्स बॉन्ड? इसको लेकर फैंस काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्ममेकर शेखर कपूर ने इस बॉलीवुड अभिनेता को जेम्स बॉन्ड के किरदार के लिए अपनी पसंद बताया है। जानिए कौन है वो एक्टर...

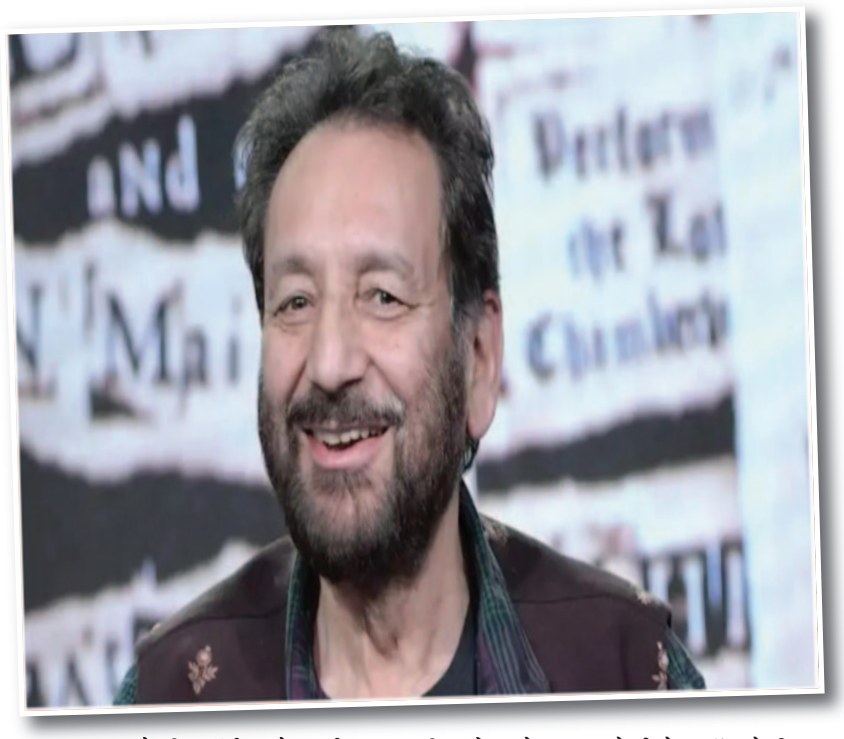

लोकप्रिय हॉलीवुड फ्रेंचाइजी 'जेम्स बॉन्ड 007' के लिए अब एक नए अभिनेता की तलाश की जा रही है। डेनियल क्रेग के बॉन्ड का किरदार छोड़ने के बाद नए जेम्स बॉन्ड (एजेंट 007) की तलाश और कास्टिंग को लेकर चर्चाएं गर्म हैं। नए अभिनेता के रूप में एरोन टेलर-जॉनसन का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, जिस पर पूर्व बॉन्ड अभिनेता पियर्स ब्रॉसनन ने भी अपनी सहमति जताई है। इस बीच अब इंडियन फिल्ममेकर शेखर कपूर ने भी जेम्स बॉन्ड के लिए एक नाम सुझाया है। लेकिन ये कोई हॉलीवुड एक्टर नहीं बल्कि भारतीय बॉलीवुड अभिनेता है।

'मिस्टर इंडिया' और 'बैंडेट क्वीन' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक शेखर कपूर ने नए जेम्स बॉन्ड की भूमिका के लिए अभिनेता जॉन अब्राहम का नाम सुझाया है। शेखर ने एक्शन स्टार को जॉन को अपनी पहली पसंद बताते हुए कहा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है।

इसमें उन्होंने लिखा, 'अगले बॉन्ड की तलाश तेज हो रही है और डेनियल क्रेग के बाद मेरी राय में अगला जेम्स बॉन्ड जॉन अब्राहम ही होंगे। उनमें एक बिंदास और बेबाक व्यक्तित्व है और निश्चित रूप से वो एक अच्छे अभिनेता हैं, जिनमें बॉन्ड का मैजिक है। वैसे डेनियल क्रेग को जेम्स बॉन्ड के रूप में तब चुना गया जब निर्माताओं ने उन्हें मेरी फिल्म एलिजाबेथ में देखा था।'

जॉन ने शेखर कपूर का जताया आभार

जॉन अब्राहम ने भी शेखर कपूर की इस पोस्ट को पढ़ा और तुरंत ही इस पर रिप्लाय भी किया। जॉन ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद शेखर कपूर सर। आपके शब्दों और प्रोत्साहन से मैं सचमुच अभिभूत हूं।

ऐसे व्यक्ति से, जिसने न केवल कहानी कहने के तरीके को नया रूप दिया, बल्कि दुनिया के सामने बॉन्ड के रूप में डेनियल क्रेग को देखने से पहले ही उन्हें पहचानने की क्षमता भी दिखाई। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। बॉन्ड की बात करें तो, मैं अभी से अपनी मार्टिनी ऑर्डर करने की प्रैक्टिस शुरू कर दूंगा। शेकन, नॉट स्टर्ड।'

जॉन की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो जॉन अब्राहम रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म में नजर आएंगे। यह पुलिस अधिकारी राकेश मारिया की बायोपिक है, जिसमें जॉन पुलिस ऑफिसर के किरदार में दिखेंगे। इसके अलावा वो 'फोर्स 3' की भी शूटिंग कर रहे हैं। इसमें उनके साथ हर्षवर्धन राणे भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे।

सप्लिट्सविला के फिनाले में फूटेगा 'फेक फ्रेंडशिप' का बम! प्रीत सिंह ने खोले कई राज

एमटीवी सप्लिट्सविला का ग्रैंड फिनाले जैसे-जैसे करीब आ रहा है, शो को लेकर नए-नए खुलासे सामने आ रहे हैं। अब कंटेस्टेंट प्रीत सिंह ने फिनाले एपिसोड को लेकर बड़ा दावा किया है और कहा है कि दर्शकों को जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलने वाला है।

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में प्रीत सिंह ने बताया कि शो में कई दोस्तियां सिर्फ दिखावे की थीं और अब फिनाले में सबकी सच्चाई सामने आने वाली है। उन्होंने कहा, 'इस ट्रायंगल में सब एक-दूसरे को बुरी तरह एक्सपोज करेंगे। योगेश, रुरु और आकांक्षा के बीच बड़ा शोडाउन होने वाला है। कई ऐसी बातें सामने आएंगी कि लोग सोचेंगे- इतना प्यार था, फिर ये सब क्या था? लेकिन वो सब फेक था।' प्रीत ने इशारों-इशारों में बताया कि आकांक्षा चौधरी, रुरु ठाकुर और योगेश रावत के बीच फिनाले में बड़ा टकराव देखने को मिलेगा।

उन्होंने आगे बताया कि फिनाले की शूटिंग 12 घंटे से ज्यादा चली और माहौल काफी थकाने वाला था। प्रीत ने कहा, 'जो लोग खुद को बेस्ट फ्रेंड बताते थे, वही एक-दूसरे से लड़ रहे थे और राज खोल रहे थे। हम भी हैरान थे कि आखिर हो क्या रहा है।' विनर को लेकर प्रीत ने कहा कि फिनाले की शूटिंग के बाद भी कंटेस्टेंट्स को अभी तक ऑफिशियली नहीं बताया गया है कि शो का विनर कौन है। उन्होंने कहा, 'हम 12 घंटे तक वहां बैठे थे, लेकिन हमें अभी भी नहीं पता कि विनर कौन है। हालांकि, हमें इतना जरूर अंदाजा है कि कौन से दो कपल्स जीत सकते हैं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या इस बार शो में दो विनर्स होंगे, तो प्रीत ने साफ कहा, 'नहीं, सिर्फ एक ही कपल जीतेगा। लेकिन असली विनर का खुलासा टीवी पर ही होगा।' बता दें कि एमटीवी सप्लिट्सविला X6 एक पॉपुलर डेटिंग रियलिटी शो है, जहां लड़के-लड़कियां प्यार और गेम दोनों में खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। इस सीजन को सनी लियोन, करण कुंद्रा, उर्फी जावेद और निया शर्मा होस्ट कर रहे हैं।

चर्चित सीरियल 'बालिका वधू' में गहना का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री नेहा मर्दा अब सफल बिजनेस वुमन हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिस बिजनेस से वे करोड़ों रुपये कमा रही हैं, उसकी नींव सिर्फ दस रुपये के निवेश से रखी थी।

10 रुपये का निवेश करके आज करोड़ों पीट रही 'बालिका वधू' फेम ये अदाकारा, कैसे आया आइडिया? खुद किया खुलासा

महंगाई के इस दौर में दस रुपये की कीमत शायद बहुत से लोग नहीं समझते होंगे। मगर, सूझबूझ से काम लिया जाए तो दस रुपये भी इंसान की तिजोरी भर सकते हैं। अभिनेत्री नेहा मर्दा ने इसकी मिसाल पेश की है। नेहा ने 'बालिका वधू' में गहना के रूप में अच्छी छाप छोड़ी थी। अब वे बिजनेस की दुनिया में हैं। उन्होंने अपना एक ब्यूटी प्रोडक्ट लॉन्च किया, जो फिटकरी से बना है। इसका आइडिया कैसे आया? इसकी कहानी भी कम दिलचस्प नहीं। जानिए

नेहा मर्दा एक ब्यूटी प्रोडक्ट कंपनी चला रही हैं। उनकी कंपनी का यह प्रोडक्ट फिटकरी से बना है। दरअसल, यह फिटकरी का अंडरआर्म रोल-ऑन है। नेहा मर्दा को बिजनेस का विचार अपनी ही एक समस्या के चलते आया। दरअसल, प्रेग्नेंसी के बाद उनके शरीर में कुछ बदलाव हुए। इसी दौरान उन्हें महसूस हुआ कि शरीर से एक अजीब दुर्गंध आने लगी है।

बाजार के प्रोडक्ट से नहीं मिली मदद

नेहा ने उपाय के लिए बाजार में मौजूद तमाम ऑर्गेनिक प्रोडक्ट अपनाए, लेकिन खास मदद नहीं मिली। फिर वे डियोडोरेंट इस्तेमाल करती रहीं। नेहा का कहना है कि यह बहुत ही परेशान करने वाली बात है, मगर इस पर लोग खुलकर बात नहीं करते।

लगातार बढ़ रहा है कारवां

नेहा ने अपनी कंपनी खोली। बिजनेस ने शुरू होते ही रफ्तार पकड़ ली और महज दो महीने में दो लाख से ज्यादा ग्राहक जुटा लिए। नेहा मर्दा की कंपनी की आमदनी हर महीने दो करोड़ रुपये से ज्यादा है। बिजनेस का निरंतर विस्तार हो रहा है।

शार्क टैंक में रखा था आइडिया

बता दें कि नेहा मर्दा ने शार्क टैंक इंडिया में अपने इस अनोखे बिजनेस आइडिया की पिच रखी थी। आइडिया साझा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उन्होंने अपनी बॉडी से एक अजीब सी दुर्गंध महसूस की थी। नेहा की पिच सुनने के बाद शार्क अमन और अनुपम मित्तल ने उन्हें एक परसेंट इक्विटी पर 1.8 करोड़ की डील ऑफर की, जो उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार भी की। ब्यूटी प्रोडक्ट की बिक्री के साथ-साथ इस उत्पाद के इंस्टाग्राम पेज पर भी 24 मिलियन से ज्यादा ऑर्गेनिक व्यूज आते हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com